हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–245 : जौनपुर, गुरुवार 06 जनवरी 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

मिशन रोजगार : योगी सरकार ने कोविड काल में भी दिया रोजगार

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का दावा है कि पिछले पौने पांच वर्षों में साढ़े चार लाख सरकारी नौकरियां देकर अपना संकल्प पूरा किया। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान भी योगी का मिशन रोजगार धीमा नहीं पड़ा। समय की जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के खाली पद भर कर स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया। प्रवक्ता ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में उप्र लोक सेवा आयोग का बड़ा योगदान रहा, जिसने अन्य विभागों के साथ साथ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा में समयबद्ध, निष्पक्ष और त्वरित तरीके से भर्तियां करके नागरिकों को राहत दी। सार्वजनिक हित को दृष्टिगत रखते हुए, लोक सेवा आयोग ने स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित पदों का चयन जल्द से जल्द वरीयता के आधार पर किया, जिससे चुने गए अभ्यर्थी शीघ्रातिशीघ्र अपने नियत पदों पर दायित्व संभाल सके। इस क्रम में चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता, शुचिता और पारदर्शिता को अक्षरशः सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध कार्यवाही की गयी। इस क्रम में एलोपैथिक चिकित्साधिकारी (श्रेणी–2) के 15 संवर्गों के 3620 पदों पर चयन सम्बन्धी कार्यवाही का विज्ञापन आयोग द्वारा 28 मई, 2021 को जारी किया गया जिसमें आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 28 जून थी। त्वरित कार्यवाही करते हुए आयोग ने अंतिम तिथि के एक महीने में अभ्यर्थियों का साक्षात्कार प्रारम्भ कर दिए। लगभग ढाई महीने मात्र में समस्त संवर्गों के लिए साक्षात्कार पूरे कर लिए गए। साक्षात्कार समाप्त होने की तिथि सात अक्टूबर थी लेकिन उससे पहले ही साक्षात्कार प्रारंभ होने के महीने भर से पहले ही प्रथम दो संवर्ग पीडियाट्रिक्स व एनेस्थेटिस्ट के परिणाम 18 अगस्त को जारी कर दिए गए। यही नहीं, समस्त संवर्गों का अंतिम परिणाम साक्षात्कार समाप्त होने के महीने भर के अंदर ही दिनांक दो नवम्बर तक जारी कर दिया गया। इसी प्रकार युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए प्राथमिकता के आधार पर एलोपैथिक चिकित्सा विशेषज्ञों के 15 संवर्गों यथा पीडियाट्रिशियन, एनेस्थेटिस्ट फिजिशियन, पैथालाजिस्ट इत्यादि के 3620 पदों पर चयन हेतु 4062 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार सम्पन्न किया गया। लगभग चार माह में 1237 अभ्यर्थियों को चयन के लिए उपयुक्त पाया गया।

इसके अतिरिक्त चिकित्सा विभाग के अन्य संवर्गों यथा स्टेटीशियन

कम प्रवक्ता, सहायक आचार्य पैथालाजी, कम्युनिटी मेडिसिन साइक्रियाटिक तथा एनेस्थीसिया के लगभग 82 पदों का परिणाम जारी किया गया तथा एमओएच सह सहायक आचार्य के 05 तथा सहायक आचार्य, ब्लड बैंक के 15 पदों का भी साक्षात्कार सम्पन्न हो चुका है। उक्त पदों का परिणाम इसी सप्ताह जारी कर दिया जायेगा, जबकि सहायक आचार्य के शेष पदों पर यथाशीघ्र साक्षात्कार कराने की कार्यवाही की जा रही है। कोविड महामारी में स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आयोग ने पारदर्शिता, निष्पक्षता सुनिश्चित रखते हुए अपनी गतिशीलता को और आगे बढ़ाया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उप्र के अंतर्गत स्टाफ नर्स, सिस्टर (ग्रेड–2) (महिला एवं पुरुष) के 4743 पदों का विज्ञापन 16 जुलाई को जारी किया गया। आवेदन के लिए एक माह का समय दिया गया और मात्र डेढ़ मास में तीन अक्टूबर को लिखित परीक्षा आयोजित कर दी गई। उक्त पदों का अंतिम चयन परिणाम औपबंधिक रूप से जारी कर दिया गया है। आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत ने बताया कि विज्ञापन जारी होने के लगभग पांच माह में ही स्टाफ नर्स के 4743 पदों पर चयन की प्रक्रिया पारदर्शी रूप से पूर्ण की गयी, जो अपने आप में एक प्रेरणास्पद मानदण्ड है। उन्होंने इसके लिए आयोग कार्मिकों की प्रतिबद्धता और संकल्प और आयोग की कार्य संस्कृति को सराहा, जिन्होंने कोविड–19 महामारी की अवधि में भी स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए राष्ट्रहित में अपना योगदान किया। उन्होंने बताया कि स्टाफ नर्स (पुरुष) की शेष 448 रिक्तियों का विज्ञापन भी इसी माह जारी कर दिया जायेगा।

लीलावती महिला चिकित्सालय के जीर्णोद्धार का डीएम ने किया लोकार्पण

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने गुरुवार को राजकीय लीलावती महिला चिकित्सालय मतापुर का कायाकल्प होने के बाद लोकार्पण किया। इसके पहले उन्होंने शिव प्रतिमा तथा लीलावती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर अस्पताल का शुभारंभ किया। इसके साथ ही अस्पताल में बढ़ी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उद्घाटन समारोह के दौरान जिलाधिकारी ने संबोधित करते हुये कहा कि जनवरी 2021 में उन्होंने जौनपुर में कार्य भार ग्रहण किया। कोविड–19 के दौरान ज्ञान प्रकाश ने मेडिकल उपकरण, जांच संबंधी उपकरण, आक्सीजन प्लांट आदि मुहैया कराया। क्षेत्र के लोगों के सहयोग का नतीजा है कि आज जिले में 14 आक्सीजन प्लांट, सभी जरूरी उपकरण और भरपूर मात्रा में जरूरी दवाएं हैं। ज्ञान प्रकाश ने बिना किसी स्वार्थ के लीलावती महिला चिकित्सालय के कायाकल्प की जिम्मेदारी ली। जनवरी में जो बिल्डिंग जर्जर थी, आज सभी सुविधाओं से सुसज्जित और आकर्षक है। जिलाधिकारी ने बढ़ रहे कोविड के मामलों को लेकर भी लोगों को आगाह किया। उन्होने कहा कि जौनपुर में भी 10 मरीज हैं लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। 18 वर्ष से ऊपर की 39 लाख की आबादी में से 31.90 लाख लोगों को टीका लगवा दिया गया है। शेष लोगों को भी 10 से 12 दिन में टीका लगा दिया जाएगा। 19 लाख लोगों को दूसरी डोज भी लग चुकी है। फिर भी एहतियात बरतना बहुत जरूरी है। उन्होंने आंखों के इलाज में काम आने वाले उपकरण मुहैया कराने तथा ब्लड बैंक बनवाने में भी रेडक्रॉस सोसायटी का सहयोग करने के लिए भी ज्ञान प्रकाश को धन्यवाद दिया। मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ लक्ष्मी सिंह तथा अस्पताल के प्रभारी डॉ एससी वर्मा ने बताया कि अस्पताल की बिल्डिंग, दरवाजे, खिड़कियां सभी का कायाकल्प हुआ है। आपरेशन मशीन, माइक्रोस्कोप, आपरेशन टेबल, हाइड्रोलिक चेयर, एयरकंडीशनर, आठ बेड, आठ गद्दे, ट्यूबलाइट सहित सभी बिजली का सामान नया है। अब सुपर हाइजेनिक वातावरण में आखों के इलाज की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। अस्पताल का कायाकल्प समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने कराया है। ज्ञान प्रकाश सिंह ने जिलाधिकारी को धन्यवाद देते हुये कहा कि अस्पताल को कायाकल्प में योगदान देने वाले श्रमिकों के साथ ही अस्पताल के प्रभारी डॉ एससी वर्मा ने पूरा साथ दिया है। उन्होंने बताया कि जब भी कोई बीमार होता है उसे एमआरआई और सिटी स्कैन के लिए वाराणसी जाना होता है, शीघ्र ही इसकी व्यवस्था यहां पर करा दी जाएगी। उन्होने बताया कि चार महीने पहले मड़ियाहूं के बच्चों के साथ कबड्डी एसोसिएशन की पूरी टीम आई थी, उन्होंने प्रैक्टिस करने के लिए मैट की मांग की थी। कबड्डी शुरू होने से एक दिन पहले उन्हें मैट उपलब्ध करा दिया गया। सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह ने लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने, मास्क जरूर पहनने, बाहर जाने से पहले जांच करवा लेने तथा कोविड की जांच कराने का निवेदन किया। संचालन कर रहे अनिल अस्थाना ने कोविड–19 के दौरान जनपद को ज्ञान प्रकाश सिंह के माध्यम से मिली सेवाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होने बताया कि उन्होंने डिलक्स शौचालय का कायाकल्प कराया और कोविड–19 के दौरान 78 दिन तक मजबूर लोगों के लिए भोजन के पैकेट की व्यवस्था की। इस मौके मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अनिल कुमार शर्मा मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अनुपम शुक्ला, माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह, माउंट लिटेरा जी स्कूल के निदेशक अरविंद सिंह, डीआर सिंह, अरुण सिंह, जितेंद्र यादव, प्राचार्य डॉ रूबी सिंह, शशिमोहन क्षेम, तेरस यादव, प्रधानाचार्य सुभाष सिंह, मिथिलेश सिंह, वशिष्ठ नारायण सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विधानसभा 2022 चुनाव सकुशल संपन्न कराने के लिए एडीएम वित्त व एसपी द्वारा नॉर्थ गुलरिया थाने का किया गया निरीक्षण

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : आगामी विधानसभा 2022 चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी विजय किरन आनंद व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन ताडा ने अपने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि थानों पर पहुंचकर थानेदार को अवगत कराएं कि उनके क्षेत्र में पढ़ने वाले मतदान केंद्रों की क्या स्थिति है और अब तक सुरक्षा की दृष्टि से क्या तैयारियां की गई हैं उस के अनुपालन में एडीएम वित्त /उप निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी गुलरिया थाने पहुंचकर थाना अंतर्गत पड़ने वाले मतदान केंद्र के संबंध में अवगत होते हुए थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया जिससे विधानसभा 2022 चुनाव सकुशल संपन्न कराया जा सके वल्नरेबिलिटी मैपिंग के परिप्रेक्ष्य में चिन्हीकरण एवं प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई करे। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार वल्नरेबल एरिया व क्रिटिकल बूथों के विवरण तथा संबंधित सूचनाओं का भली–भांति अध्ययन कर ऐसे मतदान स्थलों का निरीक्षण कर अपूर्ण कार्य पूरे कराने का निर्देशित किया। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के प्रकरण, रूट चार्ट के अनुसार कार्रवाई किए जाने के लिए निर्देशित किया।अपने क्षेत्र में आने वाले समस्त क्रिटिकल बूथों का मौके पर जाकर

निरीक्षण करें। ऐसे कारकों की पहचान की जाए जो मतदान वाले दिन मतदान को प्रभावित कर सकते हैं। उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसे मतदान स्थलों की सूची तैयार कर तत्काल जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। यदि मतदान के समय किसी भी प्रकार का कोई अवरोध अथवा किसी समूह विशेष को डराने अथवा दबाव डालने का कोई प्रकरण संज्ञान में आता है तो तत्काल उस पर कार्यवाही करते हुए उच्च अधिकारियों को अवगत कराएं। गुंडा एक्ट इत्यादि में शामिल रहे शरारती तत्वों पर निगरानी रखी जाए। जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रह सके और विधानसभा 2022 चुनाव सकुशल संपन्न हो सके।

नायब तहसीलदार व सहायक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण: योगी बोले– पहले भर्ती निकलते ही पूरा परिवार वसूली के लिए निकलता था

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को राजस्व विभाग के 57 नायब तहसीलदारों तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग के 141 प्रवक्ताओं व 69 सहायक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यहां उन्होंने पिछली सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले भर्ती शुरू होते ही महाभारत के सारे परिवार झोला लेकर वसूली के लिए निकल पड़ते थे और गड़बड़ी साबित होने पर खामियाजा सरकारी अफसर भुगतते थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पारदर्शी व ईमानदारी से भर्ती कार्यवाही की है और 4.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी है। लोकभवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में योगी ने कहा कि उनकी सरकार में चयन प्रक्रिया में यदि कहीं गड़बड़ी की बात सामने आई तो भर्ती प्रक्रिया निरस्त करने में कोई संकोच नहीं किया। जो गड़बड़ी करने के जिम्मेदार थे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की। उनमें से कई आज भी जेल में सजा काट रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपराध व अपराधियों के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति का एलान किया था। यह पूरे कार्यकाल जारी रहा। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों का आह्वान किया कि जिस तरह पारदर्शी व ईमानदारी से चयन हुआ है, उसी तरह वे भी ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। उन्होंने विस्तार से बताया कि किस तरह सरकार ने प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए काम किया और आज उसके नतीजे सामने आ रहे हैं। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने भी संबोधित किया। इस मौके पर राज्य मंत्री गुलाब देवी व छत्रपाल सिंह गंगवार, राजस्व परिषद के चेयरमैन मुकुल सिंघल, अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह आदि वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

12वीं तक के स्कूल 16 तक बंद : ऑनलाइन होगी पढ़ाई : आज से बढ़ जाएंगी पाबंदियां

लखनऊ ब्यूरो : कोरोना के मद्देनजर प्रदेश में 12वीं तक के सभी विद्यालय 16 जनवरी तक बंद रहेंगे। ऑनलाइन कक्षाएं जारी रहेंगी। 15 से 18 वर्ष तक के छात्रों के लिए विद्यालयों में कैंप लगवाकर टीकाकरण किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के अनुसार सभी आंगनबाड़ी केंद्र भी बंद रहेंगे। बच्चों को पुष्टाहार उनके आवास पर उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश में कोरोना के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार से स्कूलों को बंद करने समेत कई पाबंदियां लागू करने का फैसला किया है। स्कूलों की बंदी के संबंध में मंगलवार रात मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा की ओर से जारी शासनादेश को लेकर बुधवार को दिन भर भ्रम की स्थिति बनी रही। राजधानी के कई निजी स्कूल प्रबंधकों ने शासनादेश का हवाला देकर यह कहते हुए स्कूल बंद करने से इनकार कर दिया कि यह केवल उन जिलों के लिए है जहां कोविड के 1000 से ज्यादा सक्रिय मामले हैं। लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक ने भी स्कूल बंद न किए जाने के संबंध में आदेश जारी कर दिया। देर शाम शासन की ओर से बयान जारी करके स्थिति साफ की गई कि पूरे प्रदेश में 12वीं तक के सभी स्कूलों में 16 जनवरी तक अवकाश घोषित करने तथा 11वीं–12वीं विद्यार्थियों की कक्षाएं ऑनलाइन संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। आज से बढ़ जाएंगी पाबंदियां। बृहस्पतिवार से रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू का समय दो घंटे बढ़ा दिया जाएगा। अभी तक रात 11 बजे से सुबह 5 तक था जिसे बढ़ाकर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कर दिया गया है। साथ ही जिन जिलों में कोरोना के सक्रिय मामले एक हजार से ऊपर हैं वहां जिम, स्पा, सिनेमा हाल, बैंक्वेट हाल, रेस्टोरेंट 50 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित किए जाएंगे। शादी समारोह में बंद स्थानों पर एक समय में 100 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकेंगे और खुले स्थानों पर कुल क्षमता के 50 फीसदी लोगों के शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही सेनिटाइजर और मास्क का प्रयोग अनिवार्य करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में ऑनलाइन स्वरोजगार संगम का उद्घाटन किया गया

जौनपुर सू.वि. : ऑनलाइन स्वरोजगार संगम का उद्घाटन लखनऊ में मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रारम्भ किया गया। जनपद स्तर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में ऑनलाइन रोजगार संगम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत अमित कुमार मौर्य पुत्र फूल चन्द, कचेहरी, जौनपुर रु० 5.00 लाख साइवर कैफे, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत सृजन सिंह पुत्र राना रिपुजय प्रताप सिंह उडली, सोनिकपुर जौनपुर टेन्ट हाउस रू० 10.00 लाख परियोजना लागत तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शालनी केशरवानी को दोना पत्तल हेतु रू० 1.00 लाख का ऋण स्वीकृत / वितरण कराया गया, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत हलवाई ट्रेड में प्रदीप कुमार पुत्र उदल, सरौना जमालापुर एवं श्रीमती सोनी यादव पत्नी खुशीहाल चकताली, जौनपुर को सिलाई टूलकिट एक जनपद एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षार्थियों श्रीमती सलमा बानो पत्नी सलीम गुतवन जौनपुर, श्रीमती मेहरून निशा पत्नी अफजल अली को प्रमाण–पत्र जिलाधिकारी के कर कमलों द्वारा वितरित किया गया। जनपद में वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल रू0 709.00 लाख परियोजना लागत का लोन दिया गया, जिसके सापेक्ष 180.00 लाख की मा०म० अवमुक्त की गयी, विभाग द्वारा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत 1125 लाभार्थियों को प्रशिक्षण एवं ओ०डी०ओ०पी० टूलकिट प्रशिक्षण योजना में 250 लाभार्थियों को प्रशिक्षण उपरान्त टूलकिट वितरण एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत पी०एम० मुद्रा में ऋण वितरण हेतु आवेदन पत्र बैंकों को प्रेषित किये गये है। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह, अग्रणी जिला प्रबन्धक प्रतिनिधि सहायक प्रबन्धक उद्योग जय प्रकाश जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय उपस्थित रही।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित हुआ खेल प्रतियोगिता

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : नेहरू युवा केंद्र गोरखपुर के विकासखंड उरुवा में आयोजित खेल प्रतियोगिता राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अमन सिंह के नेतृत्व में श्री राम रेखा सिंह इंटर कॉलेज खेल के मैदान में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व हिंदू महासंघ ब्लॉक अध्यक्ष अमित कुमार पांडे अखिल भारतीय प्रजापति महासभा के राष्ट्रीय सचिव इंजीनियर वीके प्रजापति कोटवा ग्राम प्रधान सूरजभान जी के द्वारा खिलाड़ियों को वॉलीबॉल के टीम में ग्राम असोंजी की टीम विजई घोषित हुई ऊंची कूद का प्रथम पुरस्कार आकाश को द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार सत्य प्रकाश लंबी कूद प्रथम पुरस्कार सत्य प्रकाश द्वितीय पुरस्कार आकाश एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया इस अवसर पर विशेष सहयोगी, विजय पांडे अतुल पांडे सूरज मणि त्रिपाठी, दीपक पुरी सुधाकर गिरी, नीरज चौहान,अमर चौहान अंकित गहलोत राहुल दुसाद नितेश कुमार आदित्य राजन आदि मौजूद रहे।

जौनपुर के सांसद श्याम सिंह यादव ने ताइक्वांडो खिलाड़ियों को किया सम्मानित

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : वाराणसी में गतः दिवस आयोजित इंडो नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मेडल जीत कर वापस लौटे जौनपुर के खिलाड़ियों को सम्मानित करने का सिलसिला जारी है गतः दिवस जगह जगह सम्मान पाये इन खिलाड़ियों को गुरुवार को सदर जौनपुर के सांसद

श्याम सिंह यादव ने अपने कार्यालय पर सम्मानित किया। मालूम हो कि उक्त प्रतियोगिता में पट्टी जमालापुर के आदित्य प्रताप सिंह व जमुआरी मुफ्तीगंज के निखिल राय गोल्ड मेडल, पिलखिनी गौराबादशाहपुर के श्रवण कुमार व जमुआरी मुफ्तीगंज के कार्तिकेय राय सिल्वर मेडल, कबिरुद्दीनपुर धर्मापुर के अनुराग यादव व इमलो पाण्डेयपट्टी के शिवम बिन्द ब्रोंज मेडल जीते।इन खिलाड़ियों के अलावा इनके कोच मैरा दखान गौराबादशाहपुर के संजय पाल को सांसद जी ने माल्यापर्ण कर स्वागत किया। इस अवसर पर जौनपुर ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष अरविंद सिंह भी मौजूद रहे।

स्मैक के अड्डे पर पहुंच स्मैक खीचने लगा दरोगा : निलंबित

लखनऊ ब्यूरो : लखनऊ के गुडम्बा में तैनात एक दरोगा बावर्दी दुरुस्त हो कर स्मैक पीने लगा। उसकी वीडियो वायरल हुई तो निलंबित कर दिया गया। वीडियो में दरोगा नशेड़ियों के साथ स्मैक और गांजे का दम लगाता दिख रहा है। सूत्रों की माने तो दरोगा स्मैक के अड्डे पर वसूली के लिए गया था। गुडम्बा थाने का दरोगा हरिद्वार मिश्रा ड्यूटी के दौरान बुधवार को स्मैक के अड्डे पर वसूली करने गया था। यहां नशेड़ियों के साथ पहले शराब पी। उसके बाद चिलम में गांजे का दम लगाया। इस पर भी नशा पूरा नहीं हुआ तो स्मैक भी लिया। नशे में धुत होने के बाद दरोगा वीडियो कॉल पर किसी से बात करते हुए खुद को प्राइमरी स्कूल का टीचर बता रहा है। दरोगा की इन हरकतों को उसी के साथ बैठकर पीने वालों ने कैमरे में कैद कर लिया। नशे में होने के बाद दरोगा वसूली की रकम लेकर वहां से निकला तो युवक ने उसकी वीडियो वायरल कर दी। दरोगा तो निलंबित हुआ लेकिन स्मैक के अड्डे पर कार्रवाई नहीं। डीसीपी उत्तरी जोन प्रमोद कुमार तिवारी के मुताबिक वीडियो के आधार पर दरोगा हरिद्वार को निलंबित कर दिया गया है लेकिन थानाक्षेत्र में यह स्मैक का अड्डा कहां चल रहा है इसके बारे में पुलिस अनभिज्ञता जता रही है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस को रुपये देकर यहां ऐसे दर्जनों नशे के अड्डे चल रहे हैं। इसलिए पुलिस इसका खुलासा करने से बच रही है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

सफल जीवन के चार सूत्र– मेहनत करे तो धन बने, सब्र करे तो काम,मीठा बोले तो पहचान बने, इज्जत करे तो नाम।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

चीन की चुनौती से कैसे निपटें

चीन से जैविक खाद की एक खेप दूषित होने के बाद हाल के महीनों में श्रीलंका–चीन के संबंधों में कुछ हद तक समस्या आई है। चीनी दबदबे के कारण श्रीलंकाई विरोध खारिज हो गया और उन्हें सौदे के लिए चीनी कंपनी को 67 लाख डॉलर का भुगतान करने के लिए बाध्य होना पड़ा, और उनसे ताजा स्टॉक भी खरीदना पड़ा।

नए वर्ष के पहले ही दिन दो घटनाओं ने चीन के साथ अपने संबंधों पर भारत का ध्यान आकृष्ट किया। पहला एक वीडियो था, जिसमें गलवान घाटी में चीन का झंडा फहराया जा रहा था। यह वही जगह थी, जहां जून, 2020 में भारतीय एवं चीनी सैनिकों के बीच घातक झड़प हुई थी। दूसरी घटना भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच नए साल के अवसर पर मिठाइयों के आदान–प्रदान की तस्वीरें थीं। जिन दस जगहों पर मिठाइयों का आदान–प्रदान हुआ, उनमें से सात पूर्वी लद्दाख में थीं, जहां दोनों देशों की सेनाएं पिछली गर्मियों से अभूतपूर्व तैनाती में एक–दूसरे का सामना कर रही हैं।

वास्तव में, दोनों देश अब भी कुगरंग नदी घाटी में पेट्रोलिंग प्वाइंट (पीपी) 15 जैसे अन्य क्षेत्रों से चीन को बाहर निकलने, देपसांग में 'बॉटलनेक प्वाइंट' में अपनी नाकाबंदी हटाने और भारतीय गश्ती दल को लगभग 900 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में जाने की अनुमति देने पर सहमति बनाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। भारतीय सैन्य सूत्रों का कहना है कि गलवान वीडियो टकराव की जगह पर शूट नहीं किया गया था, जो बहुत संभव है कि यह एक दुष्प्रचार (प्रॉपेगैंडा) था। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि इसका असर हुआ, तीन दिन बाद भारतीय सेना ने गलवान में भी तिरंगा फहराए जाने की अपनी तस्वीर लगाई, लेकिन कहां, यह स्पष्ट नहीं है।

नए साल के अपने सालाना भाषण में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत या किसी भी अन्य देश का जिक्र नहीं किया। लेकिन नए साल पर अपनी टिप्पणी में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारत का उल्लेख किया और कहा कि चीन ने 'कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में विवाद को प्रभावी ढंग से प्रबंधित और नियंत्रित किया है।' दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के नजदीक लगातार अपनी स्थिति को मजबूत बना रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने पैंगोंग झील के सबसे संकरे बिंदु पर एक पुल का निर्माण किया है, ताकि उनके आधार क्षेत्रों से झील के उत्तरी किनारे तक आवाजाही को सुगम बनाया जा सके।

यह सब भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पूर्वी लद्दाख सहित अग्रिम क्षेत्रों में कई पुलों और सड़कों का आभासी (वर्चुअल) उद्घाटन के ठीक एक हफ्ते बाद हुआ है। चीनी और भारतीय सैन्य अधिकारियों के बीच 13वें दौर की वार्ता बेनतीजा रही। 14वें दौर की बातचीत के बारे में खबरें आई हैं, लेकिन अब तक कोई पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले के दौर की बातचीत गलवान और पैंगोंग त्से से सैनिकों की वापसी कराने में सफल रही। लेकिन सरकार ने अब तक सबसे गंभीर समस्या देपसांग के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है, जहां लगभग 900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर चीनी सैनिकों का कब्जा है।

ऐसा लगता है कि सरकार इस क्षेत्र को चीन को सौंपने के लिए तैयार है। कुगरंग नदी घाटी और डेमचोक के पास चारडिंग नाला में कई अन्य क्षेत्र भी हैं, जहां से चीनी अभी तक पीछे नहीं हटे हैं। यहां तक कि पूर्वी लद्दाख में चीनियों के साथ अपने सैनिकों के सामना करने के बावजूद, भारत दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में निरंतर चीनी बढ़त का सामना कर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था के आकार और इसकी सैन्य क्षमता को देखते हुए, दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में इसे प्रधानता मिलनी चाहिए, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। पाकिस्तान, निश्चित रूप से एक ज्ञात समस्या है। लेकिन नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है।

नए साल के संबोधन के दो दिन पहले यह घोषणा की गई थी कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी की 2022 में पहली विदेश यात्रा इरिट्रिया, केन्या और कोमोरोस के साथ मालदीव, श्रीलंका की होगी। इन सभी देशों से भारत के हित जुड़े हैं, विशेष रूप से श्रीलंका से, जो भारतीय प्रायद्वीप से लगभग 30 किमी दूर है। वहां राजपक्षे परिवार फिर से सत्ता में है। हालांकि वे नई दिल्ली को खुश रखने के प्रति सावधान रहते हैं, पर वे हमारे लिए अनुकूल नहीं हैं।

चीन लगातार छह वर्षों से नेपाल के लिए एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है, जिसने 2020–21 में 18.8 करोड़ डॉलर निवेश की प्रतिज्ञा की है। यह बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है और चीन बिजली और ऊर्जा क्षेत्र के साथ–साथ एक्सप्रेस–वे, रेलवे लाइनों, पुलों और बंदरगाहों के निर्माण में भी निवेश कर रहा है। इसके अलावा, चीन बांग्लादेश का अब तक का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता है। हालांकि, ढाका अपने कर्ज के प्रबंधन में सावधानी बरत रहा है और अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ श्रीलंका जैसी समस्याओं का सामना नहीं करता है।

चीन से जैविक खाद की एक खेप दूषित होने के बाद हाल के महीनों में श्रीलंका–चीन के संबंधों में कुछ हद तक समस्या आई है। चीनी दबदबे के कारण श्रीलंकाई विरोध खारिज हो गया और उन्हें सौदे के लिए चीनी कंपनी को 67 लाख डॉलर का भुगतान करने के लिए बाध्य होना पड़ा, और उनसे ताजा स्टॉक भी खरीदना पड़ा। श्रीलंका के साथ चीन के संबंधों को अक्सर हम्बनटोटा बंदरगाह सौदे के चश्मे से देखा गया है। बेशक श्रीलंका में कर्ज की गंभीर समस्या है। लेकिन हमें श्रीलंका को दिए चीन के कर्ज के मुद्दे को बढ़ा–चढ़ाकर नहीं बताना चाहिए।

वास्तव में चीन का कर्ज उसके कुल कर्ज का महज 10 फीसदी है। हाल में हुए दो अध्ययन, एक लंदन स्थित चाथम हाउस और दूसरा, हार्वर्ड विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसरों द्वारा किया गया, इस लोकप्रिय आख्यान को खारिज करते हैं कि चीन जान–बूझकर असहाय विकासशील देशों को कर्ज में फंसा रहा है। दुनिया और भारत के सामने इस क्षेत्र में चीनी गतिविधियों का मुकाबला करने में सक्षम होने की चुनौती है। हालांकि, भारत के पास पैसे के मामले में चीन को टक्कर देने के लिए संसाधनों की कमी है।

लेकिन इस क्षेत्र में विकास सहायता के मुद्दे को हल करने के लिए यह जापान और अमेरिका जैसे देशों के साथ गठबंधन कर सकता है। जून 2021 में, जी–7 देशों ने चीनी बीआरआई के विकल्प के रूप में एक नई 'बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड' (बी3डब्ल्यू) पहल शुरू की थी। लेकिन इसका दायरा वैश्विक होगा, इसलिए नई दिल्ली को दक्षिण एशियाई क्षेत्र में बी3डब्ल्यू देशों को निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने में सक्रिय कूटनीतिक भूमिका निभानी चाहिए।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

डॉ मोहम्मद वसी बेग "बिलाल अलीग" को अलीगढ़ प्रदर्शनी में उनके साहित्य कार्य के लिए सम्मानित किया गया

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : डॉ मोहम्मद वसी बेग "बिलाल अलीग" को अलीगढ़ प्रदर्शनी में उनके साहित्य कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। डॉ. मोहम्मद वसी बेग को राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद, भारत सरकार के सहयोग से महबूब खान शिक्षा समिति द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी "उर्दू साहित्य में नंद किशोर विक्रम का योगदान" में सम्मानित किया गया है। डॉ बेग ने उर्दू साहित्य में नंद किशोर विक्रम के योगदान पर अपने विचार साझा किए, नंद किशोर लिखित पुस्तकों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि उर्दू केवल मुसलमानों से संबंधित नहीं है। सभी धर्म, जाति और पंथ के लोगों ने उर्दू भाषा में योगदान दिया। डॉ. मोहम्मद वसी बेग "बिलाल अलीग" को साहित्य कार्य में उनके योगदान के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया। डॉ. बेग 7 पुस्तकों के लेखक हैं, उनके 450 से अधिक लेख दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होते हैं। उन्होंने यह पुरस्कार अपने दिवंगत पिता मोहम्मद निसार बेग साहब को समर्पित किया। डॉ. बेग ने महबूब खान शिक्षा समिति के सभी सदस्यों को इस

अद्भुत संगोष्ठी के आयोजन के लिए बधाई दी। विशेष रूप से सुश्री माही अनासी, सुश्री रेशमा बेगम, अकील अहमद, फरहत उस्मानी, सुश्री सबा अंजुम, सुश्री जीनत बेगम, शमीम अहमद, जकी तारिक, बुहान संभाली, कैफ फिरसोली, मुशीर अहमद, शेखू अनसारी ।यह कार्यक्रम 4 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया था। इस समारोह की अध्यक्षता डॉ. कमर आलम ने की। सुश्री रूही जुबेरी मुख्य अतिथि थीं और डॉ महफूज विशिष्ट अतिथि थीं। इस कार्यक्रम का संचालन अलीगढ़ के प्रसिद्ध शायर डॉ शेजर ने किया।

महाप्रबंधक ने परामर्शदात्री समिति सदस्य को स्मृति चिन्ह किया भेंट

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : पूर्वोत्तर रेलवे महाप्रबंधक अनूपम शर्मा ने क्षेत्रीय उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति सदस्य भूपेंद्र नाथ पांडेय को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र सप्रेम भेंट कर स्वागत किया श्री पांडेय से कुशलता महाप्रबंधक द्वारा पूछा गया श्री पांडेय ने मौके की नजाकत समझते हुए तत्काल आम जन मानस के समस्याओं से महाप्रबंधक को अवगत कराते हुए मांग किया कि पूर्वोत्तर रेलवे जगतबेला रेलवे स्टेशन पर पीआरएस खोला जाये व बादशाह नगर रेलवे स्टेशन पर रात्रि में महिला रेल कर्मी की ड्यूटी न लगाई जाय और एक ही स्थान पर लंबे समय से जमे कर्मचारियों को अन्य स्टेशनों पर बिना भेदभाव की तबादला किया जाए।श्री पांडेय ने महाप्रबंधक को बताया कि गोरखपुर मुख्यालय से लगभग 12 किमी पश्चिम जगतबेला रेलवे स्टेशन पर एक भी पैसेन्जर रिजर्वेशन सिस्टम न होने के कारण वहां के यात्रियों को आरक्षण कराने के लिए एक तरफ रोहिन तथा दूसरी तरफ राप्ती नदी पार कर डोमिनगढ़ या सहजनवा रेलवे स्टेशन जाना पड़ता है । इन स्टेशनों पर स्थित पीआरएस तक पहुंचने के लिए बहुत ही गड्ढा कचरा युक्त और अत्यन्त ही खराब रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है जगतबेला रेलवे रिजर्वेशन सिस्टम पीआरएस खोला जाए जिससे आम जनमानस को डोमिनगढ़ और जगतबेला ना जाना पड़े श्री पांडे ने महाप्रबंधक का ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि एक ही स्थान पर सन् 2014 से कार्यरत आरक्षण पर्यवेक्षक जिनका स्थानान्तरण सन् 2018 में प्रशासनिक आधार पर कर दिया गया था लेकिन वो ऊँची पहुँच के कारण स्थानान्तरण लिस्ट तो है लेकिन उन्हें अपने वर्तमान जगह से विमुक्त नही किया गया

जैसे खलीलाबाद रेलवे स्टेशनअजय कुमार शर्मा का स्थानान्तरण 2018 में बस्ती कर दिया लेकिन अजय अभी तक खलीलाबाद में ही कार्यरत है जबकि बस्ती गया लेकिन वह आज भी मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक का पद सन 2018 से ही रिक्त चल रहा है साथ में श्री पांडेय ने महाप्रबंधक को अवगत कराया कि बादशाह नगर रेलवे स्टेशन को महिला रेलवे स्टेशन का नाम दिया गया है वहां रात में यदि कोई तकनिकी खराबी आ जाती है तो महिला कर्मीयों को 500 मी 1 किमी की दूरी तक जाना पड़ता है । वहां कोई भी महिला सुरक्षा कर्मी की व्यवस्था नही है । कई महिला सुरक्षा कर्मीयों को बादशाह नगर भेजा गया लेकिन कुछ ही दिनों में उन्होनें अपना स्थानान्तरण वहां से करा लिया । बादशाह नगर रेलवे स्टेशन पर रात्रि में किसी भी महिला रेल कर्मी की ड्यूटी न लगाई जाये यदि ऐसा संभव नही है तो रात्रि में उनके सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाय जिससे महिला सशक्त हो सके और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा हो सके वह निर्भीक होकर अपनी ड्यूटी कर सकें।

जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत आज कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई पर जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ । इसमे जनपद के ग्राम बावन, मुजाहिदपुर, निजामपुर, शकतपुर, अलावलपुर, उत्तरा, रुकमनापुर आदि ग्रामसभा के 200 से अधिक कृषकों एवं कृषक महीलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक के ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्री धर्मेंद्र सिंह ने किया। सर्वप्रथम प्रमुख प्रतिनिधि द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात प्रमुख प्रतिनिधि का स्वागत केन्द्र अध्यछ डॉ रामप्रकाश एवं किसानों द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी श्री सुरेश कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ दीपक कुमार मिश्र , डॉ डीबी सिंह, डॉ पृथ्वी पाल , डॉ सीपीएन गौतम, डॉ राजीव दीक्षित एवं केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर रामप्रकाश ने सहभाग किया। इसमें किसानों को फसल अवशेष ना जलाने के लिए अच्छी प्रकार से जागरूक किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ दीपक कुमार मिश्र ने फसल के अवशेष को जलाने से होने वाली हानियों के बारे में विस्तार से चर्चा किया तथा फसल अवशेष प्रबंधन करने से क्या–क्या लाभ होते हैं एवं मृदा में इससे क्या फायदे होते हैं विस्तार पूर्वक कृषकों को जागरूक किया। जिला उद्यान अधिकारी ने उद्यान विभाग द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में विस्तार से किसको को बताया । केंद्र के वैज्ञानिक डॉ पृथ्वी पाल ने उद्यानिकी फसलों के फसल अवशेष प्रबंधन के तरीके बताएं। इसी क्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ सी पी एन गौतम ने फसल अवशेष प्रबंधन के नवीनतम तकनीक के बारे में चर्चा किया । केंद्र के अध्यक्ष डॉ रामप्रकाश ने किसानों को नई तकनीक से खेती करने एवं कृषि विज्ञान केन्द्र से सदैव जुड़े रहने के लिए कहा। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राजीव कुमार दीक्षित ने पशुओं

के पालने एवं उसके प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा किया। केंद्र के वैज्ञानिक एवं फसल प्रबंधन योजना के नोडल अधिकारी डॉ डीबी सिंह ने फसल अवशेष प्रबंधन में प्रयोग होने वाले यंत्रों एवं वेस्ट डी कंपोजर के बारे में विस्तृत जानकारी दी । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख बावन के प्रतिनिधि श्री धर्मेंद्र सिंह ने कृषकों से अपील किया कि सभी कृषक जैविक विधा से खेती करें एवं कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़कर नई नई तकनीक को सीखें और उन्नत तरीके से अपने खेत पर इसका अनुसरण करें। अंत में नोडल अधिकारी डॉ डीबी सिंह ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद देते हुए जागरूकता कार्यक्रम का समापन किया।

पीएम की सुरक्षा में चूक और नफरत की राजनीति : पीएम के खिलाफ रचा गया मृत्युजाल – मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में अतिलोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान जिस प्रकार सुरक्षा चूक हुई है वह अक्षम्य, असहनीय तथा हर देशभक्त नागरिक तथा जो लोग विकास के लिए काम कर रहे हैं उन सभी के लिए दुखदायी घटना है। यह घटना एक ऐसे प्रधानमंत्री के साथ हुई है जिसे जनमानस ने अपना अमूल्य मत देकर चुना है वह भी एक बार नहीं अपितु दो बार। पंजाब की घटना से न सिर्फ देश का सिर घुक गया है अपितु पंजाब की पंजाबियत का भी सिर शर्म से झुक गया है। सिख पंथ के सभी गुरूओं ने प्रेम, शांति, अहिंसा तथा त्याग का जो संदेश जनमानस को दिया है उसका भी सिर शर्म से झुक गया है। पंजाब की यह घटना एक सुनियोजित साजिश है जिसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों पर कड़ी कार्यवाही बनती है। नरेंद्र मोदी देश के आम नागरिक नहीं अपितु वह देश के प्रधानमंत्री हैं और जिस राज्य में प्रधानमंत्री की सुरक्षा नहीं हो सकती वहां की आम जनता का क्या हाल हो रहा होगा यह समझा जा सकता है। प्रधानमंत्री के साथ घटित घटना के बाद यह साबित हो गया है कि पंजाब का पूरा प्रशासन तंत्र खालिस्तानी वामपंथियों के शिकंजे में आ चुका है और 5 जनवरी को किसान आंदोलन की आड़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश रची गयी थी और प्रधानमंत्री भगवान भोलेनाथ और मां गंगा की कृपा से सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का समाचार आने के बाद कांग्रेस के नेताओं ने सोशल मीडिया में जिस प्रकार खुशी मनाई, बयानबाजी करी और देशभर के विरोधी दलों के नेताओं ने जिस प्रकार से किसानों का हितैषी बनने का प्रयास किया वह और भी दुखद रहा और नफरत भरा भी। जो कांग्रेसी नगर पालिका का चुनाव तक नहीं जीत पा रहे हैं वे अब मोदी के खिलाफ नफरत में इतने अंधे हो चुके हैं कि प्रधानमंत्री के लिए मृत्यु जाल बना रहे हैं। सोशल मीडिया में रास्ता रोकने वाले किसानों का महिमामंडन किया गया और प्रधानमंत्री के लिये मृत्यु की कामना तक की गयी। आज देश का राजनैतिक स्तर कितना दिवालिया हो गया है विरोध के नाम पर। पंजाब की घटना सीधे सीधे देश के प्रधानमंत्री की जान पर हमला करने की साजिश थी जिसमें कांग्रेस न सिर्फ शामिल थी बल्कि योजना भी उसी की थी इसका प्रमाण पार्टी के अलग अलग ट्विटर हैंडल से आने वाले ट्वीट हैं । यह भरत के संघीय ढांचे को भी सीधी चुनौती है। हमारा इंटेलीजेंस सिस्टम भी कही फेल रहा है और उसे गलत सूचनाएं दी गयी हैं और लीक की गयीं । अब अगर यह पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय से हुआ है तब मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी सरकार को तत्काल बर्खास्त करने का आधार बन रहा है। आज पूरा देश सकरार के साथ खडा है और सरकार से मांग कर रहा है पंजाब में राष्ट्रपति शासन और चन्नी की गिरफ्तारी की। आज जिन राज्यों में भाजपा सरकार नहीं वे राज्य ऐसा दिखा रहे हैं कि जैसे वे कोई दूसरा देश हों । अगर इस घटनाक्रम के बाद पंजाब सरकार को कड़ी सजा नहीं मिली तो यह घटना कल तमिलनाडु , आंध्र प्रदेश, केरल, छत्तीसगढ़ , महाराष्ट्र और झारखंड में भी हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम में यह तथ्य भी देखना होगा कि हर घटना पर चिड़िया उड़ाने वाले राहुल गांधी आज विदेश में बैठे हैं लेकिन इस घटना पर उनका एक भी टिवट नही आया है और वह विदेश यात्रा पर जाने के पहले एक टिवट करके गये थे कि माब लिचिंग शब्द 2014 से पहले नहीं था अतः घटना की जांच यहीं से शुरू होनी चाहिए। यह प्रधानमंत्री को माब लिचिंग की घटना कराकर मारने की ही साजिश थी क्योंकि महाराष्ट्र में भीमा कोरेगांव की हिंसा की जांच में एनआईए को नक्सली नेताओं का एक पत्र मिला था जिसमें प्रधानमंत्री को भीड़ में फंसाकर मारने की बात कही गयी थी और पंजाब में कल ऐसी ही स्थिति बनायी

गयी। पंजाब में प्रधानमंत्री के काफिले के साथ जो भी हुआ उसकी गंभीरता का अधिकांश लोगों को अनुमान तक नहीं है। सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के काफिले को एक फ्लाईओवर पर 20 मिनट तक रोक दिया गया। यह घटना उस राज्य में घटी है जहां खालिस्तानी आतंकवाद राज्य के मुख्यमंत्री सहित हजारो लोगों की जान ले चुका है। प्रधानमंत्री को अपने गंतव्य स्थल पर हेलीकाप्टर से जाना था किंतु अचानक मौसम खराब हुआ और निर्णय लिया गया कि सड़क मार्ग से जाया जायेगा। कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री को तत्काल सूचित किया गया लेकिन उन्होंने फोन तक नहीं उठाया और यह जानकारी कि किस सड़क मार्ग का प्रयोग होगा यह जानकारी प्रदर्षनकारियां और स्थानिय नागरिकों तक पहुंच ही नहीं सकती थी। यह सभी सूचनाएं केवल राज्य सरकार और पुलिस प्रषासन तक ही सीमित रहती हैं। किंतु फिर भी चमत्कारिक रूप से प्रधानमंत्री के काफिले द्वारा प्रयोग किये जाने वाले उसी फ्लाईओवर के आगे ठीक उसी समय पर प्रदर्षनकारियां का प्रकट हो जाना और प्रधानमंत्री के काफिले को रोक देना और परोक्षरूप से बंधक बना लेना और राज्य की पुलिस द्वारा मार्ग पुनः चालू करवाने में 15 से 20 मिनट लगा देना कोई संयोग नहीं हो सकता। घटना के बाद एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें फर्जी किसान और पंजाब पुलिस के जवान उन्हीं किसानों के लंगर में एक साथ चाय पी रहे हैं ,जिससे सब कुछ साफ हो रहा है। पूरे घटनाक्रम में एक बात और पता चली है कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चन्नी को भी शामिल होना था लेकिन उन्होंने अचानक कोरोना का बहाना बनाकर अपना वहां पर जाना रदद कर दिया। प्रधानमंत्री के काफिले के साथ राज्य के डीजीपी की कार तो थी लेकिन वह उसमें नहीं थे। उनके काफिलें में चीफ सेक्रेटी की कार थी लेकिन वह भी उसमें नहीं थे जिससे यह साफ हो रहा है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी और देश के महानायक प्रधानमंत्री के लिए एक बेहद खतरनाक मृत्युजाल बुना गया था। सबसे बड़ी बात यह भी थी कि प्रधानमंत्री का काफिला जिस फ्लाईओवर पर रोका गया वहां से पाकिस्तानी सीमा महज 10 किमी दूर थी और वहां पर कई आतंकी घटनाएं हो चुकी थीं। एक खबर यह भी आ रही है वहां पर एक टिफिन बम भी डिलीवर हो चुका था। वह एक ऐसा रास्ता था जहां प्रधनमंत्री का काफिला न आगे जा सकता था और नहीं पीछे जा सकता था। ऐसे मार्ग पर प्रधानमंत्री के काफिल के साथ कुछ भी हो सकता था ? फ्लाईओवर के नीचे से भी धमाका किया जा सकता था और फर्जी किसानों की आड़ लेकर भी उन पर हमला हो सकता था। इस घटनाक्रम से यह साफ हो गया है कि देशद्रोही कांग्रेस के तथाकथित थोपे गये एक्सीडेंटल ईसाई मुख्यमंत्री चन्नी ने प्रधानमंत्री की यात्रा का प्लान खालिस्तानी आतंकियां को दे दिया था। पूरी घटना के बाद जब पूरे देशभर में हल्ला मचा और जिस प्रकार से पंजाब के मुख्यमंत्री अपनी सफाई पेशकर रहे थे वह भी एक सुनियोजित व पूर्वनियोजित ड्रामा ही नजर आ रहा था। अगर उन्हें कोविड प्रोटोकाल की इतनी ही चिंता थी तो वह प्रेसवार्ता में बिना मास्क क्यों नजर आ रहे थे। केंद्र सरकार के लिए अब यही समय है और सही समय है कि चन्नी जैसे तथाकथित देशद्रोहियो को पूरी ताकत के साथ कुचल दिया जाये । अब आज पूरा देश मोदी जी के साथ खड़ा है और आगे भी रहेगा। प्रधानमंत्री का पंजाब दौरा अचानक ही तय नहीं हुआ था । कृषि कानूनों की वापसी के बाद 27 दिसंबर 2021 को फिरोजपुर रैली तय हो गयी थी और वह पंजाब को विकास कार्यो की एक बहुत बड़ी सौगात ही देने आये थे । पंजाब ने जिस प्रकार से प्रधानमंत्री को आहत किया उससे यह भी साबित हो रहा है पंजाब सरकार पूरी तरह से विकास विरोधी है। प्रधनमंत्री की सुरक्षा में चूक हो जाने के बाद पंजाब 43 हजार करोड़ की परियोजनाओं के उदघाटन से वंचित रह गया। यह पंजाब के लोगो के लिए बेहद शर्मनाक स्थिति बन रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री व कांग्रेस ने जिस प्रकार से देशके महानायक की सुरक्षा को खतरे में डाला वह अक्षम्य है और देष की जनता आने वाले समय में इन लोगों को माफ नहीं करेगी और अपने मतों के माध्यम से नकली किसान हितैषियों को सबक सिखायेगी। अब तो लोकतंत्र में भाजपा का यह अधिकार बनता है कि कांग्रेस ने किस प्रकार से देश के प्रधनमंत्री के खिलाफ साजिश रची वह पूरे देश को बताया जाये और देशषद्रोहियों को कड़ी सजा दी जाये।

अतीत का झरोखा: दिन में अटल के खिलाफ प्रचार शाम को उन्हीं के साथ भोजन

लखनऊ ब्यूरो : यह बात कम ही लोगों को पता होगी कि विधान परिषद के सभापति रहे जगदीश चंद्र दीक्षित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की बुआ कृष्णा दीक्षित के पुत्र थे। दीक्षित 1957 से 1960 तक विधानपरिषद के सदस्य रहे। राज्यसभा और लोकसभा के भी सदस्य रहे। बाद में 1986 तक फिर विधान परिषद के सदस्य रहे। मूल रूप से उन्नाव के रहने वाले अटल जी के फूफा लक्ष्मीनारायण दीक्षित डीएवी कॉलेज में अध्यापक थे। दीक्षित का जन्म लखनऊ के मकबूलगंज में हुआ था। अटल जी ने अपने संस्मरण में लिखा है, 'जगदीश जी यद्यपि मुझसे एक वर्ष छोटे थे, लेकिन समवयस्क होने के नाते हम काफी गहरे मित्र थे। बावजूद इसके कि वह कांग्रेस में थे और मैं जनसंघ में। पर, इससे रिश्तों पर जरा भी असर नहीं पड़ा। मुझे जनसंघ से 1953 में लखनऊ से लोकसभा का चुनाव लड़ने का आदेश मिला।' शिक्षक अमित पुरी बताते हैं कि अटल जी ने उन्हें एक बार बताया था कि यह उपचुनाव लखनऊ से सांसद चुनी गईं विजय लक्ष्मी पंडित के त्यागपत्र देने के कारण हो रहा था। उप चुनाव में कांग्रेस से पं. नेहरू के चचेरे भाई की पत्नी शिवराजवती नेहरू उम्मीदवार थीं। जगदीश जी उनके प्रचार में जनसंघ की खूब आलोचना करते और अटल जी कांग्रेस की। शाम को अटल जी का भोजन अक्सर बुआ के घर ही होता था। एक दिन उन्हें कुछ देरी हो गई। संयोग से उस दिन जगदीश जी ने जनसंघ के विरुद्ध काफी तीखे भाषण दिए थे। बाहर निकले तो देखा कि जगदीश जी जनसंघ के चुनाव कार्यालय के बाहर खड़े उनका इंतजार कर रहे थे। वे अटल से बोले, 'बड़ी देर कर दी। अम्मा इंतजार कर रही हैं। कह रही थीं कि तुमने कहीं ज्यादा तो नहीं कह दिया।'अटल जी ठहाका लगाकर हंसे। फिर बोले, चलो भोजन किया जाए। कल फिर एक–दूसरे के खिलाफ हाथ आजमाना है।

भारत ने तैयार किए दुनिया के टॉप क्लास इंजीनियर –रविकिरण दोईफोड़े

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के केंद्रीय ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल द्वारा बुधवार को मैकेनिकल इंजीनियरिंग के द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के छात्रों के लिए'' मेटल कास्टिंग ''विषय पर ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में एस. इंजीनियरिंग एकेडमी के विषय विशेषज्ञ कथा मुंबई विश्वविद्यालय एवं कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे के पूर्व छात्र रविकिरण दोफोड़े ने छात्रों को मेटल कास्टिंग विषय की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भारत ने दुनिया में टॉप क्लास इंजीनियर तैयार किए हैप रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, गूगल के सुंदर पिचाई, ट्विटर के पराग अग्रवाल के साथ सत्या नडेला एवं सलिल पारेख आदि विश्वविख्यात नाम भारत के ही इंजीनियरों के हैं दुनिया की बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भारतीय इंजीनियरों की बड़ी साख है। उन्होंने बताया कि गेट तथा इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज की परीक्षा मैन्युफैक्चरिंग विषय से सर्वाधिक प्रश्न पूछे जाते हैं। श्री रविकिरण ने छात्रों को लकड़ी, मेटल तथा वैक्स के पैटर्न द्वारा कोप एवं ड्रैग के माध्यम से मोल्ड तैयार करने की विधि से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार तैयार मोल्ड में मॉल्टन मेटल के द्वारा कास्टिंग तैयार की जाती है वर्तमान समय में एक साथ बड़ी संख्या में कास्टिंग बनाने के लिए ''इन्वेस्टमेंट कास्टिंग'' मेथड का प्रयोग किया जा रहा है जिसको ''प्रेसीजन कास्टिंग ''के नाम से भी जानते हैं इस मेथड से तैयार कंपोनेंट में मशीनिंग की आवश्यकता नहीं पड़ती है श्री रविकिरण मैकेनिकल इंजीनियरिंग विषय से गेट परीक्षा को 380 रैंक के साथ क्वालीफाई किया है केंद्रीय ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के समन्वयक एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ संदीप कुमार सिंह ने श्री रविकिरण का परिचय कराया तथा वेबीनार में भाग लेने वाले सभी प्राध्यापकों ,छात्रों एवं एस एकेडमी के तकनीकी प्रबंधक राहुल गौरव को धन्यवाद ज्ञापित किया। वेबीनार में कुल 175 छात्रों ने प्रतिभाग किया वेबीनार में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ हेमंत कुमार सिंह, सुबोध कुमार, दीप प्रकाश सिंह, अंकुश गौरव ,नवीन चौरसिया ,मोहम्मद रेहान शशांक दुबे एवं हिमांशु तिवारी उपस्थित रहे। प्लेसमेंट सेल के प्रभारी श्री श्याम त्रिपाठी तथा श्री नितिन यादव के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से कक्षा प्रतिनिधि ईश्वर शरण, निधि सिंह, अमित कुमार ,अमन, आकांक्षा एवं वैभव श्रीवास्तव से विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

माननीय सांसद जौनपुर श्याम सिंह यादव की अध्यक्षता में किशोर न्याय बालकों का देख–रेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 के तहत बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : माननीय सांसद जौनपुर श्याम सिंह यादव की अध्यक्षता में किशोर न्याय बालकों का देख–रेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 के तहत कोरोना काल में जनपद जौनपुर में बच्चों हेतु उपलब्ध कराई गई। बैठक का आयोजन जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम माननीय सांसद जी द्वारा आए हुए सभी प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया गया तत्पश्चात जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार द्वारा कोरोना वायरस काल में बाल संरक्षण सेवा के तहत किए गए कार्यों का वर्णन किया गया है जिसके अंतर्गत उनके द्वारा अवगत कराया गया कि किशोर न्याय अधिनियम के तहत जनपद में बाल सेवा योजना संचालित है जिसके तहत जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण इकाई पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में विशेष किशोर पुलिस इकाई के साथ ही किशोर न्याय बोर्ड बाल कल्याण समिति एवं चाइल्डलाइन का संचालन हो रहा है। जनपद जौनपुर में बच्चों की कोई भी राज्य की या स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से संचालित संस्था नहीं है। राजकीय संप्रेक्षण के लिए निर्माण हेतु सदर तहसील के ग्राम कूल्हानामऊ में जमीन का चिन्हाकित करते हुए स्टीमेट शासन को प्रेषित किया गया है धनराशि प्राप्त होते ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसी प्रकार जनपद में बालक–बालिका की आवश्यकता है जिसके जमीन का सीमांकन करते हुए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है और शासन को जिलाधिकारी की तरफ से जल्द ही प्रेषित किया जाएगा। कोविड–19 में संचालित योजनाओं के बारे में बताते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बारे में बताया गया कि ऐसे बच्चे जिनके माता–पिता दोनों या दोनों में से कोई एक की मृत्यु 01 मार्च 2020 के बाद कोरोना के कारण हुई है और कोविड–19 होने का प्रमाण पत्र उपलब्ध है तो उनके ऐसे बच्चे जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण नहीं हुई है उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत आवेदन करते हैं और जनपद जौनपुर में ऐसे 147 बच्चों के आवेदन पत्र स्वीकृत किए गए हैं जिसमें से 128 बच्चों के अभिभावकों के खाते में धनराशि प्रेषित की जा चुकी है। उक्त योजना के साथ ही कक्षा 9 से 12वीं तक पढ़ाई करने वाले बच्चों को लैपटॉप दिए जाने का भी प्रावधान है जिसके तहत प्रारंभिक रूप से 14 बच्चों का चिन्हाकन किया गया था जिसमें से 5 बच्चों को उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा एवं दो बच्चों को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा लैपटॉप का वितरण किया गया है। शेष लैपटॉप का वितरण जल्द ही कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा इसी सप्ताह लैपटॉप वितरण का निर्देश दिया गया। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य की चर्चा करते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 80 बच्चों का चिन्हाकन किया गया है।उसकी पात्रता ऐसे परिवार जिसमें किसी भी व्यक्ति की मृत्यु

एक मार्च 2020 के बाद किसी भी प्रकार से हुई हो और उनके बच्चे अधिकतम 23 वर्ष की आयु तक अपनी पढ़ाई कर रहे हो ऐसे परिवार के दो बच्चों के खाते में 25 सो रुपए प्रति बच्चे देय होता है। माननीय सांसद जी द्वारा उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के लाभार्थियों के जनपद के आकार के अनुसार कम होने की बात कही गई जिस पर जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार को निर्देशित किया गया की ग्राम पंचायतों में विशेषकर ग्राम प्रधानों को इस हेतु पत्र प्रेषित कर आचार संहिता से पूर्व इस योजना के पात्र बच्चों के आवेदन पत्र जिला प्रोबेशन कार्यालय प्रेषित कराए जाएं। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि इस योजना हेतु बच्चों के खाता, उम्र का प्रमाण पत्र या हाई स्कूल का प्रमाण पत्र, विद्यालय में वर्तमान वित्तीय वर्ष में पढ़ने का प्रमाण पत्र और अपने अभिभावक के मृत्यु का प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र संलग्न करते हुए आवेदन पत्र अपने ग्राम विकास अधिकारी, खंड विकास अधिकारी के यहां प्रस्तुत करने है। शहरी क्षेत्रों में आवेदन पत्र उप जिलाधिकारी के विभाग पर प्रस्तुत किया जाना है, जिसकी जांच लेखपाल के द्वारा की जाएगी। बाल सेवा योजना की समीक्षा में माननीय सांसद जौनपुर द्वारा स्पॉन्सरशिप योजना की भी समीक्षा की गई। बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय द्वारा अवगत कराया गया उक्त योजना से जनपद में 30 बच्चों का आच्छादन किया गया है। योजना में ऐसी शर्ते रखी गई है जिसकी पूर्णतया अनुपालन करने में पात्र लाभार्थियों का चयन नहीं हो पाता है माननीय सांसद जी द्वारा कहा गया कि स्पॉन्सरशिप योजना के सरलीकरण हेतु शासन को पत्र प्रेषित कराया जाए। इसी प्रकार किशोर न्याय बोर्ड के माननीय सदस्य अनिल कुमार यादव एवं बाल कल्याण समिति के सदस्य चंद्र भूषण सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि बाल सेवा योजना को मिशन वात्सल्य में भारत सरकार द्वारा समाहित किया गया है एवं मिशन वात्सल्य का विस्तृत दिशानिर्देश अभी तक नहीं आ पाया है जिस कारण से संस्थाओं में एवं जनपद में बच्चों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। माननीय सांसद द्वारा मिशन वात्सल्य के तहत बाल संरक्षण सेवा के अंतर्गत कार्य करने वाले जनपद स्तर के कार्मिकों के मानदेय बढ़ोतरी एवं संस्था में रहने वाले बच्चों के रख–रखाव हेतु धनराशि बढ़ोतरी के लिए पत्र प्रेषित कराए जाने हेतु निर्देशित दिया गया। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित, जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार, डॉ एस सी वर्मा, एसीएमओ डॉक्टर आरबी सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास एवं पुष्टाहार, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, क्षेत्राधिकारी पुलिस गौरव शर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी एसवी शाही, नगर शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश सिंह, इंस्पेक्टर विशेष किशोर पुलिस इकाई अनीता सिंह, अनिल सिंह कप्तान डीजीसी क्रिमिनल विदिशा परीक्षा अधिकारी मुरलीधर गिरी, किशोर न्याय बोर्ड से सदस्य अंजू पाठक इत्यादि लोगों ने प्रतिभाग किया।

बीपीएड की शारीरिक दक्षता परीक्षा 12–13 जनवरी को होगी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में बीपीएड सत्र 2021– 23 के अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, उनकी शारीरिक दक्षता परीक्षा 12,13 जनवरी 2022 को सुबह 10:00 बजे से विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में होगी। सहायक कुलसचिव प्रवेश के अनुसार 13 जनवरी को प्रवेश हेतु काउंसलिंग भी होगी। किन्हीं कारणों से जिन अभ्यर्थियों ने आवेदन अभी तक नहीं किया है उनके लिए आवेदन ऑनलाइन करने हेतु पोर्टल खोला जा रहा है। इन अभ्यर्थियों को भी दक्षता परीक्षा में सम्मिलित किए जाने की अनुमति होगी। इच्छुक व्यक्ति शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु निर्धारित तिथि में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। शारीरिक दक्षता परीक्षा और काउंसलिंग में कोविड गाइडलाइन का पूर्ण रूप से पालन किया जाएगा।

अयोध्या में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 5700 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी आज अयोध्या पहुंचे । मौसम खराब होने के कारण तय समय से थोड़ी देरी में पहुंचे । हेलीपैड से सीधे जीआईसी मैदान में चल रही सभा शिरकत किया । केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लगभग 5700 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया । केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या भी कार्यक्रम में मौजूद थे । उन्होंने अयोध्या के लिए 84 कोसी परिक्रमा की

5 परियोजनाओं तथा 67 किलोमीटर रिंग रोड बाईपास का भी शिलान्यास किया । केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे अयोध्या आकर 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के शिलान्यास का अवसर प्राप्त हुआ । प्रभु राम आस्था व संस्कृति के प्रतीक है, अयोध्या में प्रभु श्री राम मंदिर का निर्माण हो रहा है उसका वर्णन करना बहुत कठिन है । हमने लगभग 31 सौ करोड़ खर्च करके 325 किलोमीटर का शिलान्यास किया है और 2023 समाप्त होते–होते इसका उद्घाटन करने भी अयोध्या आऊंगा । नितिन गडकरी ने सांसद लल्लू सिंह का भी धन्यवाद किया उन्होंने कहा कि सांसद लल्लू सिंह की मेहनत से ही यह कार्य संभव हो पाया है। जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि जैसे पिछली बार आपने हमारी कलम को ताकत दी थी वैसे इस बार भी पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनाएं जिससे हम इसी कलम के हस्ताक्षर से अयोध्या की तस्वीर बदल सकें। सभा को संबोधित करने के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी पर मत्था टेका और राम जन्मभूमि परिसर में जाकर श्रीराम के आशीर्वाद भी लिए।

थाना कोतवाली पर साइबर जागरूक दिवस का किया गया आयोजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कल दिनांक–05.01.2022 को पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश पुलिस के आदेशानुसार चलाए जा रहे साइबर जागरूकता दिवस के क्रम में श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,जौनपुर के निर्देशन में थाना कोतवाली पर साइबर जागरूक दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक नगर, डॉ संजय कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, गौरव कुमार एवं साइबर क्राइम जौनपुर के का0 ओम प्रकाश जायसवाल द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम में लोगों को हो रही साइबर क्राइम के बारें में विस्तृत जानकारी की दी गयी एवं उससे बचाव व सर्तक रहने हेतु सुझाव दिये गये, उक्त कार्यशाला में जनपद के व्यापारी बंधु ,कामगार, ऑटो चालक, रिक्शा चालक एवं कोतवाली थाने के प्रभारी निरीक्षक सहित समस्त चौकी इंचार्ज व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। इसी क्रम में साइबर हेल्प डेस्क का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक नगर/ नोडल अधिकारी साइबर क्राइम, डॉ संजय कुमार द्वारा थाना कोतवाली पर किया गया।

नवनिर्मित महिला आरक्षी बैरक, पुलिस लाइन जौनपुर का किया गया वर्चुअल उद्घाटन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : री योगी आदित्यनाथ, मा0 मुख्यमंत्री ,उ0प्र0 सरकार द्वारा जनपद जौनपुर में नवनिर्मित महिला आरक्षी बैरक, पुलिस लाइन जौनपुर का वर्चुअल उद्घाटन किया गया, इस कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, जौनपुर डॉ संजय कुमार, क्षेत्राधिकारी लाइन, नगर, प्रतिसार निरीक्षक, पुलिस लाइन जौनपुर व महिला पुलिसकर्मी सहित अन्य पुलिस अधिकारी / कर्मचारीगण मौजूद रहें।

क्षय रोग के समूल नाश का संकल्प ले युवा : डॉ. राकेश कुमार यादव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश एवं कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य के सरक्षत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना,वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,जौनपुर एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम –जनपद जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में गुलाबी देवी पीजी कॉलेज सिद्दीकपुर,जौनपुर में एक दिवसीय क्षय रोग

जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में बोलते हुए कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, डॉ राकेश कुमार यादव ने कहा कि नए साल में एनएसएस के स्वयंसेवक क्षय रोग से मुक्ति हेतु जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को प्रेरित करके भारत को 2025 तक क्षय रोग से मुक्त करने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मिशन में सहभागी बनें। जिला कार्यक्रम समन्वयक– क्षय रोग डॉ. सलिल कुमार यादव ने क्षय रोग के लक्षण एवं उपचार के सम्बन्ध में विस्तार से स्वयंसेवको को बताया और क्षय रोग से मुक्ति की शपथ भी दिलाई।पीपीएम–समन्वयक राम बचन ने भी क्षय रोग के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में स्वागत भाषण वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ पंकज कुमार यादव एवं अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ रमाशंकर यादव तथा संचालन डॉ सुभाष यादव ने किया।धन्यवाद ज्ञापन एसटीएस–करंजाकला नवीन कुमार सिंह ने दिया। इस अवसर पर एसटीएलएस–श्री प्रमोद यादव,कार्यक्रम अधिकारी डॉ.यादवेंद्र यादव, डॉ. राजेंद्र प्रसाद यादव,अश्विनी यादव,महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में बनेगी एनडीए की सरकार : अनुप्रिया पटेल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : दूसरी आजादी के सपना को पूरा करने के लिए दलित, पिछड़े व आदिवासी समाज को एकजुट होने की जरूरत है।जौनपुर की धरती पर सामाजिक न्याय के संघर्ष को निरंतर धार मिलती रही है और आगे भी मिलती रहेगी।उक्त बातें अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने गुरुवार को मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र में भाऊपुर में आयोजित विजय संकल्प जनसभा को संबोधित करते हुए कहा । साथ ही उन्होंने कहा कि 2022 में अपना दल एस जौनपुर में भारी अंतर से अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा और पार्टी के संस्थापक डॉ.सोनेलाल पटेल जी के सपनों को साकार करेगा। केंद्रीय मंत्री श्रीमती पटेल ने कहा कि जौनपुर हमारे पूज्य पिताजी एवं अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल जी की कर्मस्थली रही है। इस पवित्र धरती से प्रदेश एवं देश में सामाजिक न्याय की आवाज को धार मिलती रही है। यहां के लोगों के आशीर्वाद व स्नेह का ही प्रतिफल है कि मैं पिछले 7 सालों से उत्तर प्रदेश की विधानसभा से लेकर लोकसभा में बहुजनों के मुद्दों को मजबूती से निरंतर उठा रही हूं। श्रीमती पटेल ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक तौर पर हमें मजबूत करने एवं सम्मानजनक जीवन के लिए संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर जी ने हमें आरक्षण तो दिया, लेकिन आज भी हमें अपने अधिकार की प्राप्ति के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दलित व पिछड़ों के सामने एक नई समस्या उत्पन्न हो गई है। आज हमें देखने को मिल रहा है कि दलित व पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों का कट ऑफ मार्क्स सामान्य से ज्यादा है। यदि सदियों से दबे–कुचले समाज के लोगों को विकास की धारा में आने के लिए सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों से ज्यादा अंक लाना पड़े तो फिर आरक्षण की प्रासंगिकता पर ही सवाल खड़े होते हैं। यह एक गंभीर एवं ज्वलंत मुद्दा है। इसके लिए हम सभी बहुजनों को एकजुट होकर आवाज उठाने की जरूरत है।श्रीमती पटेल ने कहा कि चुनाव आयोग कभी भी चुनाव की घोषणा कर सकता है। चुनाव की तिथि घोषित होते ही पूरा सरकारी अमला चुनावी तैयारियों में जुट जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संख्या बल बहुत मायने रखता है। आज संसद में अपना दल एस के मात्र दो प्रतिनिधि और उत्तर प्रदेश विधानसभा में 9 प्रतिनिधि एवं विधान परिषद में एक प्रतिनिधि हैं। बावजूद इसके आपके हक–अधिकार के लिए हमारे प्रतिनिधि निरंतर आवाज उठा रहे हैं।अपना दल (एस) के संघर्ष का ही नतीजा है कि आज 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ न्याय की प्रक्रिया शुरू हुई है। श्रीमती पटेल ने कहा कि जातीय जनगणना वर्तमान समय की जरूरत है। उन्होंने अल्पसंख्यक मंत्रालय की तर्ज पर ओबीसी कल्याण मंत्रालय के गठन की मांग की। देश में सर्वाधिक मुकदमे दलित–पिछड़े व आदिवासी समाज के हैं, बावजूद इसके न्यायपालिका में इस वर्ग का प्रतिनिधित्व नगण्य है। श्रीमती पटेल ने अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन की मांग की। केंद्रीय मंत्री श्रीमती पटेल ने कहा कि अब पांच साल की पढ़ाई का एक्जाम शुरू होने वाला है। अब आपको एक्जाम पास करने के लिए कई गुना मेहनत करने की जरूरत है।

चुनाव में बूथ प्रबंधन सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। हर बूथ हमारे लिए महत्वपूर्ण है। हर बूथ पर हमें अपनी टीम खड़ी करनी है। इसे मिशन मोड में लेकर चलिए। हर गांव में जाइए, लोगों से मिलिए, गांव में चौपाल लगाइए, पार्टी की नीतियों से लोगों को अवगत कराइए। श्रीमती पटेल ने जनता से पूछा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने आपको क्या दिया और आज केंद्र की एनडीए व प्रदेश की भाजपा व अपना दल एस की सरकार आप सभी को क्या दे रही है। पिछले 5 साल में आपको क्या मिला और क्या मिलने वाला है। इस पर फोकस करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी युवा सोच और दूरदर्शी हैं। प्रदेश में हवाई अड्ड्डा का जाल बुना जा रहा है। देश में सर्वाधिक एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में विकसित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने पिछले महीने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उद्घाटन किया। अब लखनऊ व दिल्ली दूर नहीं है। आप यहां से साढ़े तीन घंटे में लखनऊ पहुंच जाएंगे। पूर्वांचल एक्सप्रेस के किनारे औद्योगिक गलियारे का भी विकास हो रहा है। उद्योग स्थापित होंगे। यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा। आप डबल इंजन की सरकार को मजबूत करते रहिए और देखते रहिए, वह दिन दूर नहीं जब यहां के युवाओं को रोजगार के लिए अन्य राज्यों एवं विदेशों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पिछले दिनों प्रधानमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को 9 मेडिकल कॉलेजों की बड़ी सौगात दी। आने वाले समय में प्रदेश में 24 मेडिकल कॉलेज होंगे, जो कि देश में सर्वाधिक होंगे। यहां के बच्चों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए अन्य राज्यों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। 7 दिसंबर को प्रधानमंत्री जी ने गोरखपुर में एम्स और खाद फैक्ट्री का उद्घाटन किया। पूर्वांचल की सेहत में सुधार के लिए ये दोनों परियोजनाएं मील का पत्थर साबित होंगी। सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मछलीशहर लालबहादुर पटेल ने तथा संचालन राकेश पटेल ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव राघवेन्द्र प्रताप सिंह, मड़ियाहूं की विधायक डॉ. लीना तिवारी, प्रतापगढ़ सदर विधायक राजकुमार पाल, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री श्रीमती रेखा पटेल, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पटेल, राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य विनोद गंगवार, प्रदेश सचिव लालप्रकाश पाल, गोकरन पटेल, जिलाध्यक्ष जौनपुर शिवनायक पटेल, रविंद्र दुबे, जेपी दुबे, महिला मंच की जिलाध्यक्ष संयोगिता चौहान आदि उपस्थित रहे।

अशोक कुमार राय जिलेदार (सेवानिवृत्त) ज्ञानपुर नहर प्रखंड भदोही का हुआ भव्य विदाई समारोह

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : अशोक कुमार राय जिलेदार ज्ञानपुर नहर प्रखंड भदोही के सेवानिवृत्त होने एवं अरबिंद कुमार दूबे उपराजस्व

अधिकारी के पदोन्नति के उपरांत भव्य विदायी एवं स्वागत समारोह दिनांक 5–01––2022 को आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम मे भदोही के खंडीय कार्यालय के कर्मचारीगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अनियंत्रित ट्रक ने युवकों की ली जान : किया भारी नुकसान

अजमतगढ़ संवाददाता श्री कृष्ण चतुर्वेदी : नगर पंचायत अजमतगढ़ में एक अनियंत्रित ट्रक एक्सीडेंट कर बाजार में फस गया। लोग बताएं कि ट्रक धनछुला में दो लोगों का एक्सीडेंट करके आया है। अजमतगढ़ बाजार में एक्सीडेंट हुए लोगों के गांव के कुछ लोग ट्रक का पीछा करते हुए ,अजमतगढ़ पहुंचे जहां ट्रक को गांव वालों ने पकड़कर ड्राइवर को अपने साथ लेकर चले गए। ट्रक के आगे मांस के छींटे मौजूद मिले,ट्रक का नंबर बताया जा रहा है यूपी 63 है। जानकारी मिलते ही आनन–फानन में अजमतगढ़ पुलिस चौकी के अभिषेक यादव और अभिषेक कुमार यादव मौके पर पहुंच गए तथा विश्वस्त सूत्रों द्वारा पता लगा है कि ट्रक मिर्जापुर जनपद का है,तथा मालिक का नाम चंद्रकांत सिंह बताया जा रहा है।

अनियंत्रित ट्रक हादसे में एक युवक की मृत्यु हो चुकी है,जबकि एक युवक अभी गंभीर अवस्था में है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा मेडिकल कॉलेज सिद्दीकपुर का किया गया निरीक्षण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अजय साहनी के द्वारा मेडिकल कॉलेज सिद्दीकपुर का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्राचार्य शिव कुमार को निर्देश दिया कि मेडिकल कॉलेज में 100 बेड तैयार किए जाएं । उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन प्लांट से ऑक्सीजन की सप्लाई बेड तक तक सुनिश्चित की जाए । इस दौरान जिलाधिकारी

द्वारा निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक –दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर जेई राजेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मतदाताओं की कसौटी पर दलों के दावे : अयोध्या सुल्तानपुर और अंबेडकरनगर के मतदाताओं की बातें

अयोध्या ब्यूरो : सियासी गलियों में शोर बहुत है। कहीं मुद्दों का। तो कहीं वादों का। तो कहीं समीकरणों का। इसका शोर...। उसका शोर...। पर, जोर किसका है? पब्लिक है, सब जानती है...। वह सबको मथ रही है। परख रही है। पूरब हो या पश्चिम...। मुद्दे तो एक जैसे ही हैं। छुट्टा जानवरों की समस्या। बेरोजगारी...। तो दूसरी तरफ तारीफें भी कम नहीं। पर, इनमें जोर कितना है? खांचों में बंटी सियासत में यह सवाल तीखा है। ध्रुवीकरण के बिना जब बातें पूरी नहीं होतीं...। जातीय अस्मिता का सवाल जहां सारे सवालों से बड़ा हो जाता है, तो मुद्दों की बिसात ही क्या? अयोध्या में राममंदिर बनने का जोश... मतदाताओं में बेरोजगारी, महंगाई और छुट्टा जानवरों जैसी समस्याओं पर चर्चा। सरयू की लहरों की मानिंद सियासत की धारा भी बदलती रहती है। 2017 में केसरिया रंग चटख हुआ तो अयोध्या, सुल्तानपुर व अंबेडकरनगर की 15 सीटों में से 11 भगवा रंग में रंग गईं। तीन सीटें बसपा और एक सपा को मिली थीं। उपचुनाव हुआ तो अंबेडकरनगर जिले की एक सीट सपा ने बसपा से छीन ली। चुनाव आते–आते बसपा के बचे दोनों विधायकों के साथ ही प्रमुख चेहरे भी साइकिल पर सवार हो गए। आमजन की चर्चाओं मे जो कुछ सामने आता है, उससे साफ है कि यहां लड़ाई भाजपा और सपा के बीच है। हालांकि, नई टीम के साथ बसपा मुकाबले को अलग रंग देने में जुटी है। अयोध्या : मंदिर निर्माण से बना वीवीआईपी क्षेत्र। सियासी उथल–पुथल के बीच सरयू अपनी रौ में बह रही हैं। मतदाताओं के मिजाज की थाह लेने के लिए हम पौ फटने से पहले निकले। हमारा पहला पड़ाव था राम की पैड़ी। कड़कड़ाती ठंड में भी यहां सरयू मैया की जयकार के साथ डुबकी लगाते साधु–संतों से लेकर पर्यटन से रोजगार तलाशते युवा और व्यापारी मिले। जैसे ही पर्यटकों भरी नाव किनारे लगाकर अजय मांझी आए, हमने उनसे सियासी चर्चाएं छेड़ दीं। उन्होंने कहा, इस बार तो सपा से टक्कर होगी। इस पर राममिलन पांडेय फट पड़ते हैं। वे बोले–तुम्हारी उम्र ही क्या है, हमने लोगों को मरते देखा है। अंजनी पंडा कहते हैं, अयोध्या को दुनिया की सबसे सुंदर नगरी बनाने वाले कभी नहीं हार सकते। मोदी ने हर वर्ग व जाति के गरीबों को घर दिया है। राशन, तेल, नमक तक मुफ्त मिल रहा है। नाविक राजू भी बोल पड़े, योगी ने दीपोत्सव का सिलसिला शुरू कर हमारी कमाई बढ़ा दी है। मनीष माझी गर्व से कहते हैं, अब तो यह देश का सबसे वीवीआईपी क्षेत्र हो गया है। हनुमानगढ़ी पहुंचे तो हमें महंत राजू दास मिले। वे कहते हैं, राममंदिर बनते देखकर तो बसपा महासचिव सतीश मिश्र, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल व मनीष सिसौदिया समेत तमाम विपक्षी नेता भी बहुत प्रभावित नजर आते हैं, मगर बाहर जाते ही सियासी हो जाते हैं। पुजारी रमेश दास का मानना है कि मोदी–योगी सांस्कृतिक विरासतों का सृजन कर रहे हैं। वे कहते हैं, ऐसे मुद्दों पर जातीय दीवारें ढह जाती हैं, लेकिन ऊंट किस करवट बैठेगा, अभी कुछ पक्का नहीं कह सकते। सब चाहते हैं योगी यहां से लड़ें। महंत बलराम दास कहते हैं, सब चाहते हैं कि योगी यहां से लड़ें। बाकी संत भी इसका समर्थन करते हैं। व्यापार मंडल के नेता नंदकुमार गुप्ता नंदू अलबत्ता कुछ सवाल उठाते हैं। वे कहते हैं, चौड़ीकरण के नाम पर दर्जनभर दुकानें तोड़ दी गईं, सैकड़ों तोड़ी जानी हैं। इसका चुनाव में नुकसान होगा। वहीं, गुलाबबाड़ी पार्क में मिले मो. अरशद खान, मो. नौशाद, मो. असद, मो. साहिल कहते हैं, इस बार कहीं न तो बसपा चलेगी और न ओवैसी। कैसे? इस सवाल पर वे सिर्फ इतना कहते हैं, सपा अबकी बार सबको जादू दिखाएगी। अजय कुमार कोरी भी पिल पड़े। उन्होंने जवाबी हमला किया, यदि मुसलमान बसपा छोड़ेंगे, तो दलित भाजपा में जा सकता है। बीकापुर और गोसाईंगंज : मुद्दों के साथ सरकारी सुविधाओं की भी चर्चा। बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में आने वाले भदरसा कस्बे में राशन की दुकान पर मिले सभासद अब्दुल गफ्फार का अनुमान है कि सपा ही जिले की ज्यादातर सीटें जीतेगी। मुफ्त राशन लेकर निकल रहीं साजिया बानो ने जवाब दिया–सुविधा तो यही सरकार अच्छी दे रही है। सभासद मुनव्वर खान और साजिद खान अपनी बात अलग तरीके से रखते हैं। वे कहते हैं, बीकापुर में भाजपा का प्रत्याशी कमजोर है। वहीं, दयाशंकर निषाद व राजेश कुमार पांडेय कहते हैं, पार्टी से कोई भी चुनाव लड़े, क्या फर्क पड़ता है? वोट तो मोदी के नाम पर ही मिलेगा। पूर्व सभासद मनोज गुप्ता भी कुछ ऐसे ही तर्क देते हैं। वह कहते हैं, भाजपा की लहर चल रही है। वहीं, शिया वक्फ बोर्ड के सदस्य सैयद शबीहुल हसन बोले, हम तो पुराने कांग्रेसी हैं। पर, अभी तो जैसा माहौल है उसमें कहीं उम्मीद ही नहीं दिख रही है। वहीं, बीकापुर में चाय की चुस्की लेते हुए अरबाज खान कहते हैं, भाई कोई कुछ भी कहे, इस बार तो सपा ही जीतेगी। आलोक सिंह तपाक से कहते हैं, कैसे जीतेगी? गन्ना भुगतान अखिलेश सरकार में कभी समय से हुआ नहीं। मिल प्रशासन नेताओ के घर पर्चियां पहुंचाता था। कन्हैया गौड़ बोले, किसान छुट्टा जानवरों से परेशान हैं, बहुत नाराजगी है। वहीं, राजेश तिवारी कहते हैं कि नौकरी तो मेधावी को ही मिल रही है, घूस खत्म हो गई है। वहीं, गोसाईंगंज के कोछाबाजार में चाय की दुकान पर मिले राजनरायन सिंह कहते हैं, सपा इस बार जीत का रिकॉर्ड बना सकती है, क्योंकि बाहुबली को टक्कर देने वाले बाहुबली विधायक को सजा हो गई है। देवेंद्र मिश्रा जवाब देते हैं कि उनकी पत्नी चुनाव लड़ेंगी तो फिर वोट वैसे ही बरसेगा। चंद्रशेखर राणा भी बहस में कूद पड़े। वे बोले, तिवारी परिवार ही सपा को टक्कर दे सकता है। अंसार हुसैन ने जवाबी हमला बोला, कहीं कोई टक्कर नहीं है, सपा की लहर है। गोसाईंगंज बाजार के लीडराबाद तेलियागढ़ तिराहे पर मिले मो. सईद कहते हैं, बाहुबलियों की लड़ाई में मुद्दे गौड़ हो जाते हैं। भाजपा को स्वच्छ छवि का प्रत्याशी देकर बदलाव लाना चाहिए। प्रेमप्रकाश ने जवाब दिया, अपराधी–माफिया तो इस सरकार में भयभीत रहा, लेकिन छुट्टा पशु फसल खा जा रहे हैं। रुदौली व मिल्कीपुर : सुविधाएं बनाम समस्याएं। रुदौली के भेलसर चौराहा के पास ही एक दुकान पर चल रही गरमागरम सियासी बहस बता देती है कि यहां चुनावी रंग किस कदर चढ़ चुका है। कुलदीप कहते हैं कि कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है। आप बताओ, चुनाव जरूरी है या लोगों की जिंदगी? किसान परवेज अहमद सवाल उठाते हैं, अगर कानून का राज है तो अब तक केंद्रीय मंत्री पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई? किसान मत्थु यादव बोल पड़े, क्या काम हुआ है, कुछ सड़कें तो एक बरसात भी नहीं झेल पाईं। अकुल कुमार ने कहा कि गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है। सुविधाएं बढ़ी हैं। मुफ्त में वैक्सीनेशन हो रहा है। इसपर किसान विकास सिंह ने जवाबी हमला बोला, सरकारी संस्थाओं को तो बेचा जा रहा है। किसान शुभम गुप्ता ने कहा कि छुट्टा पशुओं से फसल बचाने के लिए खेतों में रात बितानी पड़ रही है। मिल्कीपुर सुरक्षित सीट के मिल्कीपुर के रेवतीगंज बाजार में एक चाय की दुकान पर घूरेहटा निवासी शिक्षक सुरेंद्र यादव कहते हैं, शिक्षा और बेरोजगारी बड़ा मुद्दा हो गया है। निमड़ी के डेयरी इंचार्ज जीतबहादुर सिंह व देवकली माफी के जितेंद्र शुक्ला कहते हैं, मौजूदा सरकार में बड़े–बड़े अपराधी पानी मांग रहे हैं। पाराताजपुर के सुभाष यादव अखिलेश के 300 यूनिट फ्री बिजली व सिंचाई की चर्चा उठाते हैं तो आदिलपुर के सज्जन पाठक तुरंत जवाब देते हैं, यह सरकार भी तो मुफ्त में राशन दे रही है। किसान सम्मान निधि खाते में आ रही है। कुछ भी कहो, भाजपा की सरकार फिर बनेगी। इस पर पूर्व बीडीसी मनोज कुमार बोले, अखिलेश को कम मत आंको। सुल्तानपुर : भाजपा–सपा में दिख रही सीधी लड़ाई इसौली, लंभुआ, कादीपुर सुल्तानपुर की इसौली सीट का मिजाज कैसा है, यह जानने के लिए हम हरौरा बाजार पहुंचे। यहां मिले शालिग्राम यादव कहते हैं, सपा–भाजपा में टक्कर होगी। रामगोपाल यादव कहते हैं, बोरी में पांच किलो खाद घट गई, लेकिन दाम वही है। रामबहादुर पाल जवाब देते हैं कि मिल तो रही है, पहले तो यह भी नहीं मिलती थी। वहीं, लंभुआ बाजार में चाय की दुकान पर मिले सिद्धार्थ झा कहते हैं, वैसे तो सब ठीक है, लेकिन छुट्टा जानवरों से हो रहे नुकसान की भरपाई किसान कैसे करे? आशुतोष मौर्य ने कहा, थाना–तहसील से लेकर ब्लॉक के काम बिना पैसे के नहीं होते। बात काटते हुए बुजुर्ग वीरेंद्र सिंह कहते हैं कि यह कैसे भूल जाते हो कि गुंडागर्दी बंद हो गई है। पशुओं को छुट्टा क्या सरकार छोड़ती है? नहीं ना...? मो. रियाज और राजेश पांडेय जनप्रतिनिधियों की जनता से दूरी का सवाल उठाते हैं। कादीपुर सुरक्षित सीट के मिजाज का जायजा लेने हम लीडराबाद सर्किट हाउस के पास पहुंचे। यहां मिले प्रदीप कुमार मौर्य व दिनेश पांडेय कहते हैं कि भाजपा सबसे आगे है। वहीं, संतोष कुमार अग्रहरि ने कहा कि भाजपा–बसपा की लड़ाई है। वहीं, शैलेंद्र व भूपेश पाठक ने कहा कि राम के नाम पर सभी एकजुट हैं। बृजेश कुमार ने कहा कि बस प्रत्याशी बदल जाए तो भाजपा जीत सकती है। मो. रफीक व एजाज खां ने कहा कि बंगाल की तरह भाजपा को झटका लगेगा। सदर व सुल्तानपुर : जातीय गोलबंदी का भी दिख सकता है असर। आदिगंगा गोमती नदी के तट पर बसे सुल्तानपुर जिले का सदर विधानसभा क्षेत्र है। कूरेभार बाजार में थाने के सामने चाय की दुकान पर मिले नरायनपुर गांव के अनिल मिश्रा कहते हैं, यहां से तीन किमी. दूर जफरापुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के उद्घाटन में पीएम मोदी आए थे, लेकिन दूसरे दिन आधी रात तक अखिलेश के लिए उमड़ी भारी भीड़ ने अलग ही नजारा दिखाया। वे कहते हैं, परेशान किसानों ने छुट्टा पशुओं को स्कूल में बंद कर दिया तो उन पर मुकदमा हो गया। मीरामानिकपुर के प्रधानपति राजेश सिंह कहते हैं, भाजपा का माहौल है, लेकिन प्रत्याशी बदलना पड़ेगा। दलित राम सजीवन अलग तर्क देते हैं। वे कहते हैं, इस बार एससी वोट बसपा के साथ नहीं, भाजपा के साथ जा रहा है। आवास हमें ही नहीं, पिता और भाइयों को भी मिला है। दलित महेंद्र प्रताप कहते हैं कि भाजपा सब दे रही है तो वोट जाति पर क्यों देंगे? सुनील कुमार वर्मा कहते हैं कि भले ही अन्य इलाकों में कुर्मी वोटर नाराज हों, लेकिन यहां तो सब भाजपा के साथ हैं। फूलपुर ग्रामसभा की चट्टी पर मिले विक्रम पटेल कहते हैं कि इस शासनकाल में दंगा–फसाद नहीं हुआ, इसलिए भाजपा ही आएगी। फूलपुर से आगे सुल्तानपुर सीट शुरू होते ही तिवारीपुर में मिले रवि कुमार कसौधन, मेहंदीलाल, अयोध्या प्रसाद क्षेत्र का नाम कुशभवनपुर करने की जरूरत बताते हैं। धनपतगंज बाजार में मिले अतरसुइया के जमुना प्रसाद पांडेय, अमरपाल सिंह कहते हैं कि किसान भाजपा से नहीं, सांड से परेशान हैं। दिव्यांग गया प्रसाद कोरी, केवलपति व गुरुदयाल कहते हैं, राशन, दाल, तेल के बाद नमक भी मुफ्त मिला है। घर भी मिला है। डेनवा गांव के नेतई राम व जयप्रकाश इलाके के मुस्लिम बहुल गांवों के नाम गिनाते हुए कहते हैं कि वोट दो तरफा बंट गया है। हसन अब्बास और रियाज अहमद कहते हैं, हम तो बसपाई हैं, पर भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ जा सकते हैं। पकड़ीपुर के कमरुद्दीन कहते हैं कि लोग समझते हैं कि मुसलमान भाजपा के विरोध में ही वोट करता है। हम भी सही गलत देखते हैं। अंबेडकरनगर : अकबरपुर में बसपा भी लड़ाई में दिख रही। बसपा के गढ़ वाले इस जिले की अकबरपुर सीट पर सबसे ज्यादा दलित वोटर हैं। कुर्मी, राजभर, मुस्लिम व ब्राह्मण भी बड़ी संख्या में हैं। पांच बार बसपा से विधायक रामअचल राजभर सपा में चले गए हैं। पूर्व मंत्री राममूर्ति वर्मा और उनके समर्थक इस सीट को उन्हें देने को तैयार नहीं हैं। भाजपा से अच्छा प्रदर्शन करने वाले चंद्र प्रकाश वर्मा इस बार बसपा से ताल ठोक रहे हैं। अकबरपुर के तहसील रामपुर सकरवारी में हम पहुंच तो यहां पान की दुकान पर गरमा–गरम चर्चाएं चल रही थीं। राजेंद्र प्रसाद माली कहते हैं, रामअचल को बसपा ने निकालकर अपना नुकसान किया है, लेकिन राममूर्ति वर्मा का टिकट कटा तो बसपा कड़ी टक्कर देगी। पिंटू कुमार साहू कहते हैं कि रामअचल सर्वसुलभ हैं, सभी जाति में उनका वोट है, तमाम लहर आई–गई, वे नहीं हारे। अकबर तहसील तिराहे पर अलाव ताप रहे रियाद अली कहते हैं कि यहां तो सपा–बसपा ही लड़ेगी। तो इसराइल कहते हैं कि भाजपा से जब तक प्रत्याशी सामने नहीं आ जाए, तब तक कुछ कहना ठीक होगा। लालजी तिवारी कहते हैं कि रामअचल और लालजी वर्मा जैसे दिग्गजों के जाने से बसपा कमजोर हुई है। बीपी दुबे भी मानते हैं कि सपा और बसपा की लड़ाई होगी।

रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में सीएम योगी ने छात्रों को बांटे टैबलेट : बाबा के दरबार में लगाएंगे हाजिरी

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में छात्र–छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किए। इसके बाद मुख्यमंत्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां वो बाबा दरबार में हाजिरी लगाएंगे। इसके बाद वो रुद्राक्ष के सभागार में ही अधिकारियों के साथ कोरोना संक्रमण के रोकथाम के लिए रणनीति पर चर्चा करेंगे। देर शाम मुख्यमंत्री गोरखपुर रवाना हो जाएंगे। 1500 युवाओं को टैबलेट की सौगात। वाराणसी के 15 सौ युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन की सौगात दी। प्रशासन की ओर से जिले के चार महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को चिह्नित किया गया है। उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. ज्ञान प्रकाश ने बताया कि जिले में हरिश्चंद्र महाविद्यालय, अग्रसेन महिला महाविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय बरेका और महादेव पीजी कॉलेज बरियासनपुर के 15 सौ विद्यार्थियों को टैबलेट व स्मार्टफोन का वितरण किया जा रहा है। जिले भर में स्नातक और स्नातकोत्तर के 90 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट व स्मार्टफोन से लैस किया जाना है। ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और डिजिटल इंडिया की संकल्पना को मजबूत करने के लिए युवाओं को टैबलेट व

स्मार्टफोन का वितरण किया जा रहा है। इसके पहले लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में जगतपुर पीजी कॉलेज के दो सौ विद्यार्थियों को टैबलेट का वितरण किया गया था। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर तीन बजे वाराणसी पहुंचे। एयरपोर्ट पर मंत्री नीलकंठ तिवारी, विधायक डॉ अवधेश सिंह सहित अन्य भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर पहुंचे, जहां वो विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को टैबलेट का वितरण किया।

भाजपा के खिलाफ किसानों और बेरोजगार नवयुवको में भारी आक्रोश : आसिफ खां

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : ग्राम पीला महुआ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के नेता पूर्व विधायक आसिफ खाँ बब्बू ने कहा कि किसानों और बेरोजगार नवयुवको में भाजपा सरकार के खिलाफ गहरा आक्रोश व्याप्त है वही अखिलेश यादव के समर्थन में उमड़ते जनसैलाब और जनता के उत्साह में 2022 की तस्वीर साफ दिखाई दे रही है। पूर्व विधायक बब्बू ने कहा कि वे धर्म और जाति के नाम पर राजनीति नही करते और सभी धर्मों का सम्मान करना उन्हें आता है।इन्सानित सबसे बढ़कर है और वे भाईचारे को निभाकर राजनीति करते आये है।अब जब चुनाव का समय आ गया है तो विभिन्न विपक्षी पार्टियों के नेता अपने स्वार्थवश तरह तरह की मतभेद पैदा करने वाले भाषणों से आम जनता को गुमराह करने की कोशिश करेंगे।लेकिन उन्हें शायद यह नही मालूम कि यह जनता है यह सब जानती है।भाजपा के लोग धर्म जाति के नाम पर वोट लेने की राजनीति करते है।और चुनाव जीतने के बाद अगर कोई व्यक्ति पहुँचता है तो उसको निराशा हाथ लगती है।पिछले 5 बर्षो में हमारी क्षेत्र की जनता ने जेब मे रखे गांधी जी छपे नोटो को देकर थाने,तहसील में अपनी इज्जत बचाई है।भाजपा अब लुभावने वादों से लोगो लुभा रही है लेकिन युवा बेरोजगार कैसे भूलेगा वो लाठियां जो उसने रोजगार के लिये खाई और कैसे भूलेंगे वो किसान जिन्होंने अपने हक के लिये एक बर्ष से अधिक समय अपने परिवार को छोड़कर सड़को पर बिताए है और 700 से अधिक साथियों को भाजपा की तानाशाही की बली चढ़ना पड़ा।कैसे भूलेगे वो परिवार जिनके लोगो पर भाजपा के मन्त्री के बेटे ने गाड़ी चढ़ाकर जान ले ली और आज भी मन्त्री को भाजपा सरकार बचाये है।अब जब भाजपा सरकार को अपना सिंघासन डोलता

दिखा तो किसान बिल वापसी ले लिया लेकिन किसानों ने पूछा कि क्या मेरे खोये बेटो को वापस दिला सकती है ये सरकार।तो फिर तुम्हारी माफी वाले घड़ियाली आसुओ का कोई मतलब नही।पूर्व विधायक बब्बू ने कहा कि इस बढ़ती महगांई ने सभी घरों का बजट ही बिगाड़ दिया है लेकिन महगांई के नाम पर तो सरकार ने चुप्पी साध रखी है।अब तो जनता ने ठान लिया है कि वह भाजपा सरकार को जड़ से उखाड़ फेकेंगे।अब 2022 में बदलाब होकर रहेगा जिसके बाद यूपी में सुशासन चलेगा और महगांई और बेरोजगारी के मुद्दों पर बात के साथ समाधान होगा।साथ ही किसान भाइयों को उनकी फसलों का बाजिब मूल्य मिलेगा जिससे किसान को भी खुशहाली मिलेगी।पूर्व विधायक ने ग्राम महमदपुर और परसई में भी जनसभाओं को संबोधित किया।इस मौके पर प्रधान रणजीत सिंह,जिला पंचायत सदस्य संजू पाल,प्रदीप पाल दाताराम,प्रधान राम बिलास,प्रधान सतीश सिंह,प्रधान सीताराम,प्रधान धर्मेंद्र,प्रभु सिंह,पूर्व प्रधान विशम्भर पाल,रामसेवक,संजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

'गैर–हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित': काशी के गंगा घाट पर लगाए विवादित पोस्टर

वाराणसी ब्यूरो : हमने तो नमाजें भी पढ़ी हैं अक्सर, गंगा तेरे पानी से वजू कर–कर के। सुबह ए बनारस में सूरज की लालिमा के साथ अपनी सांसों को आवाज बनाकर शहनाई के जरिए रंग भरने वाले बिस्मिल्लाह खान को गंगा का किनारा आज भी ढूंढता है। आज उसी धर्म, अध्यात्म की नगरी काशी के गंगा घाटों पर गैर–हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध वाले पोस्टर लगाए गए। ये पोस्टर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) व बजरंग दल द्वारा लगाए गए। काशी के गंगा घाटों के अलावा और भी मंदिरों में ऐसे पोस्टर लगाने की योजना है। फिलहाल पुलिस भी इस मामले पर बोलने से बच रही है। हालांकि, पुलिस के द्वारा इन पोस्टरों को हटाने का काम किया जा रहा है। वहीं बजरंग दल काशी महानगर संयोजक निखिल त्रिपाठी 'रुद्र' का कहना है कि अब हिंदू समाज को अपनी ताकत दिखाते हुए अपने धर्म और समाज की रक्षा के लिए स्वयं आगे आना होगा। सारा कुछ सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। जिस भी मंदिर या गंगा घाट किनारे कोई विधर्मी अंदर घुसता है तो उसे मौके पर पकड़कर पुलिस के हवाले किया जाएगा। काशी के पंचगंगा घाट, रामघाट, मणिकर्णिका घाट, दशाश्वमेध से अस्सी घाट तक विहिप व बजरंग दल द्वारा पोस्टर लगाए गए हैं। जिनमें साफ तौर पर लिखा गया है कि काशी के गंगा घाट पर गैर–हिंदू का प्रवेश वर्जित है। इन पोस्टरों के लगने के बाद अब विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने पूरे काशी के मंदिरों में ऐसे पोस्टर लगाने की बात कही है। विहिप महानगर मंत्री राजन गुप्ता का कहना है कि मंदिर व गंगा घाट सनातन धर्म के लोगों की आस्था और श्रद्धा का स्थान है, यहां अन्य धर्मों के लोगों का क्या काम। विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा कि ये धर्म की रक्षा के लिए किया जा रहा है। वहीं,

वाराणसी के गंगा घाटों व कई मंदिरों में इस तरह के बैनर लगाए जाने को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से प्रतिक्रिया आई है। समाजवादी पार्टी ने इसे बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद द्वारा धार्मिक ध्रुवीकरण करने की साजिश करार दिया है। महामृत्युंजय मंदिर परिवार से जुड़े व समाजवादी पार्टी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष किशन दीक्षित का कहना है कि वाराणसी में वैसे भी सभी धर्मों के लोग सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों का सम्मान करते हैं। सामान्य तौर पर भी न कोई मुसलमान मंदिर में जाता है और न कोई हिंदू मस्जिद में पहुंचता है। फिर इस तरह के बैनर लगाना अनुचित है। सपा नेता का कहना है कि बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। इसलिए अब धार्मिक ध्रुवीकरण कर समाज में माहौल खराब करने का प्रयास किया जा रहा है।

भाजपाइयों में आक्रोश, वाराणसी–सोनभद्र में पंजाब सरकार का पुतला फूंका

वाराणसी ब्यूरो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बुधवार को फिरोजपुर (पंजाब) जाते समय सुरक्षा में हुई चूक से भाजपाई आक्रोशित हो गए हैं। वाराणसी समेत पूर्वांचल के अन्य जिलों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंजाब सरकार का पुतला फूंका है। वहीं, इस पर गृह मंत्रालय ने भी पंजाब सरकार से रिपोर्ट मांगी है। वाराणसी में महामना मंडल भाजपा के नेतृत्व में सोनारपुरा चौराहा पर गुरुवार सुबह पंजाब के मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी का पुतला फूंका। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सीएम चन्नी और सोनिया गांधी के खिलाफ नारे लगाए। सोनभद्र में भाजपाइयों ने फूंका पंजाब सरकार का

पुतला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा व्यवस्था में चूक होने पर भाजपाइयों ने कड़ा आक्रोश जताया है। सोनभद्र जिले के घोरावल मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में गुरुवार को बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पंजाब सरकार का पुतला लेकर नगर भ्रमण करते हुए मेन तिराहे पर पहुंचे। यहां पंजाब सरकार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान भाजपाइयों ने पंजाब सरकार और कांग्रेस के विरोध में जमकर नारे लगाए। मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार पांडेय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के खिलाफ नफरत की राजनीति कर रही है। पंजाब के पुलिस प्रशासन ने कांग्रेस सरकार के इशारे पर प्रधानमंत्री के काफिले के रास्ते में भारी लापरवाही बरतते हुए गंभीर खतरा उत्पन्न कर दिया, जिससे प्रधानमंत्री को बिना किसी कार्यक्रम में शरीक हुए लौटना पड़ा। यह घटना घटिया राजनीति का उदाहरण है। इस घटना की जांच कर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। क्या है मामला । बुधवार को पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिरोजपुर में दौरा था। भारी बारिश के कारण पीएम को सड़क मार्ग से जाना पड़ा लेकिन इस दौरान हुसैनीवाला से 30 किलोमीटर दूर रास्ते में प्रदर्शनकारी मिल गए जिस कारण उनका काफिला तकरीबन 20 मिनट बेहद असुरक्षित क्षेत्र में रुका रहा। जिस इलाके में पीएम मोदी का काफिला रुका था, वह आतंकियों के अलावा हेरोइन तस्करों का गढ़ माना जाता है। पिछले साल सितंबर माह में इसी क्षेत्र में आतंकी वारदात को अंजाम दिया गया था। लिहाजा केंद्रीय गृह मंत्रालय के अलावा पीएम सिक्योरिटी के तमाम अधिकारियों के चेहरे पर शिकन पैदा होना जायज था। इसके बाद से पंजाब में सियासत गरमा गई थी।

संगठन में ईमानदारी आवश्यक –सत्य प्रकाश पांडेय

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : डायट परिसर जौनपुर बुधवार को उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की एक बैठक नववर्ष के अवसर पर आयोजित की गई बैठक में सर्वप्रथम प्रदेश में चयनित डॉ संतोष तिवारी प्रांतीय सदस्य श्रीमती मंजू पांडे संयुक्त मंत्री कोमाल्यार्पण और बुके देकर सभी सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया संगठन के संरक्षक

राष्ट्रपति पदक विजेता सत्य प्रकाश पांडे ने कहा'''' संगठन में ईमानदारी से कार्य करना सबसे आवश्यक है जब हम संगठन में मिलकर कार्य करेंगे तो संगठन शीर्ष पर पहुंचेगा '' ।पूर्व माध्यमिक जिला अध्यक्ष सुशील कुमार उपाध्याय ने कहा हम मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं बस सहयोग की आवश्यकता है। सभी विकास खंडों से आए हुए संरक्षक अध्यक्ष व मंत्री ने अपने विचार व्यक्त किये। प्रांतीय सदस्य डॉ संतोष तिवारी ने कहा कि लीडरशिप किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए अहम भूमिका वाला व्यक्ति असली लीडर होता है'''' आवाम की है यह आवाजें सुनी तो अब जाएगी कब तक चुप कराओगे इन्हें, तुम्हें हराकर ही जाएंगी '' ।मांडलिक मंत्री डॉक्टर संजय सिंह ने अपनी कविता के माध्यम से संगठन के महत्व को बताया रामनगर से श्री प्रकाश सिंह, राजेश्वर मिश्रा ने भी संगठन के उद्देश्य पर बल दिया। बदलापुर से राम सिंह, राज भारत मिश्रा ने जीपीएफ पासबुक पर की मांग किया। 5 सूत्रीय मांगों के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व लेखाधिकारी को जिला अध्यक्ष सुशील उपाध्याय के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया ।कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष शैलेश चतुर्वेदी अच्छेलाल कोषाध्यक्ष अशोक गौतम डॉ विष्णु सिंह, विनोद सिंह, अजय पांडे, काशी नंदन मिश्रा प्रदीप श्रीवास्तव, मन्द्रिका मौर्या ,मनोज सिंह ,चंद्र प्रकाश मिश्रा, ज्योति भूषण सिंह मुकेश श्रीवास्तव ,डॉ मनोज सिंह, ज्ञान प्रकाश, श्रीकांत गुप्ता ,अशोक कुमार ,अरुण सिंह, दिनेश सिंह आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री डॉ मनीष सिंह सोमवंशी ने किया।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।